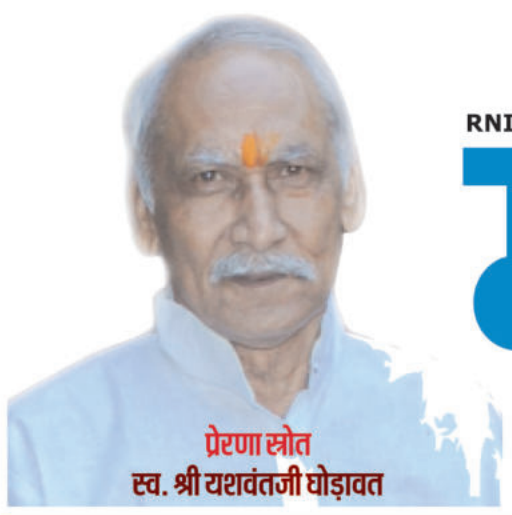

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

अपने विश्वास को मजबूत करो और आपकी सारी शंकाएं दूर हो जाएगी।

गौर गोपाल दास

वर्ष-06, अंक - 39 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 20 जून 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

क्या भाजपा अपना शीर्ष प्राप्त कर चुकी है...?

माही की गूंज। संजय भटेवरा

झाबुआ। भारतीय लोकतंत्र की यही खूबसूरती है कि, यहां जनता ही सब कुछ है। यहां की जनता अर्श से फर्श और फर्श से अर्श तक पहुंचा देती है और जो कुछ दिखाई देता है या दिखाया जा रहा है उस पर आंख मूंद कर भरोसा नहीं करती है। लोकतंत्र में कहा गया कि, जनता कभी गलत नहीं होती है, ''पब्लिक इस ऑलवेज राइट'' और पब्लिक ने इस बार तमाम वादों-इरादों, दावों-प्रतिदावों के बीच जनता ने अपना संतुलित फैसला दिया है। जनता इस बार मोदी की सरकार नहीं एनडीए की सरकार चाहती है और विपक्ष को भी इतनी सीटे दी है कि वे संसद में जन हितेसी मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज करवा सके और सरकार के कार्यों पर कड़ी नजर बनाए रखें।

शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न होने और नई सरकार के गठन के बाद परिणामो का विश्लेषण जारी है। सभी दल लोकसभा चुनाव के परिणामों पर अपने-अपने हिसाब से व्याख्या कर रहे हैं, अगर-मगर और ये होता तो वो हो जाता, जैसे ख्याली घोड़े भी दौड़ाए जा रहे हैं। इन सब के बीच एक अहम सवाल यह है कि, क्या भाजपा अपना शीर्ष प्राप्त कर चुकी है...?

1980 से गठित भारतीय जनता पार्टी दो सीटों से सफर की शुरुआत करते हुए 2019 के चुनाव में 303 सीटे प्राप्त कर चुकी है। लेकिन 2024 के आम चुनाव में खुद के लिए 370 व एनडीए के लिए 400 पार का नारा देने वाली भाजपा खुद 250 से कम और एनडीए 300 से कम सीटो पर सिमटने के बाद राजनीतिक पंडितो द्वारा यह कयास लगाए जा रहे कि, भाजपा के सफर का अवरोही क्रम (घटनाक्रम) प्रारंभ हो गया है। राम मंदिर जैसे संवेदनशील मुद्दे का हल किए जाने के बावजूद भाजपा को 60 से ज्यादा सीटो का नुकसान (गत चुनाव के मुकाबले) हो जाना इस बात को इंगित करता है कि, भाजपा की लोकप्रियता का ग्राफ अब ढलान पर है, क्या भाजपा वापसी करेगी...? यह तो भविष्य के गर्भ में है। लेकिन इतना तो तय है कि, भाजपा को अपना ग्राफ वापस बढ़ाने के लिए अपने रणनीति में व्यापक बदलाव करना पड़ेगा। सबका साथ सबका विकास और सब का विश्वास अभी तक केवल नारों में ही नजर आ रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत नहीं बन पा रहा है।

आखिर चुक कहां हुई

प्रधानमंत्री मोदी के जादूई नेतृत्व के बल पर हर भाजपा कार्यकर्ता यह मानकर चल रहा था कि, ''अबकी बार चार सौ पार'' इस अति आत्मविश्वास के चलते कार्यकर्ता आम मतदाता तक नहीं पहुंच पाए। रही सही कसर मीडिया द्वारा बनाए गए कृत्रिम आभामंडल से भी आम कार्यकर्ता फूले नहीं समा रहे थे और यह मानकर चल रहे थे कि, उनके सामने विपक्ष की कोई चुनौती नहीं है और मतदाता के सामने मोदी के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उक्त इसी अति आत्मविश्वास के चलते न तो नेता और न ही कार्यकर्ता जनता के दुख दर्द को समझ पाए और भाजपा ने 2004 वाली गलती इंडिया साइनिंग और फील गुड वाले नारों को अबकी बार 400 पार वाले नारे के सहारे कर दी। हालांकि भाजपा इस बार सत्ता से बाहर तो नहीं हुई लेकिन जनता ने सरकार के सामने मजबूत विपक्ष खड़ा कर दिया।

क्या विपक्ष की जीत हुई...?

परिणामो के दिन से पूरा विपक्ष चुनावो के परिणामों को अपने पक्ष में बताता आ रहा है और अपने जीत के रूप में प्रचारित कर रहा है, लेकिन ये विपक्ष की जीत नहीं है सभी दल मिलकर लड़ने के बावजूद अपने आंकड़े को जादुई अंक तक नहीं पहुंचा पाया है, लेकिन इतना अवश्य है कि, इन दलों का प्रदर्शन 2019 के मुकाबले बेहतर रहा है। इसका मुख्य कारण इन दलों की मेहनत से ज्यादा सत्ता पक्ष की नाकामी का असर रहा है। गणित में एक नियम है कि, ऋण और ऋण मिलकर जुड़ जाते हैं इसलिए पूरे विपक्ष ने मिलकर एक अभियान चलाया कि, अगर भाजपा 400 सिटे जीत लेगी तो संविधान बदल जाएगा..., आरक्षण खत्म हो जाएगा..., और आगे से चुनाव भी नहीं होंगे... और देश लोकतंत्र से तानाशाही की ओर चला जाएगा ! विपक्ष के इस प्रचार का व्यापक असर हुआ। नतीजे जो भी हो लेकिन इस नतीजो ने पक्ष-विपक्ष दोनों को ही आईना जरूर बतला दिया है और यह साबित कर दिया है कि, लोकतंत्र में जनता ही असली किंग मेकर है तथा जनता का वोट बैंक किसी के हाथों की कठपुतली नहीं है। नेता या मीडिया माहौल जो भी बनाएं जनता अपने विवेक से ही निर्णय देती है।

मोदी लगाएगे ताकत, वायनाड सीट दोबारा जीतना कांग्रेस के लिए बड़ी चुनौती

नई दिल्ली।

लोकसभा चुनाव 2024 चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस 99 सीटों पर जीत दर्ज करा, देश की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के बन गई है। यहां दो सीटों से जीत दर्ज कराने वाले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल की वायनाड लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया, जिससे अब कांग्रेस के खाते में कुल 98 सीटें रह गई हैं। राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की परंपरागत रायबरेली सीट को अपने पास ही रखा है। लोकसभा सचिवालय ने इस बात की जहां जानकारी दी, वहीं कांग्रेस ने बताया कि अब वायनाड सीट से प्रियंका गांधी को उम्मीदवार बनाकर पार्टी चुनाव में उतरेगी। वायनाड को दोबारा जीतना कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती का काम होगा, क्योंकि पीएम मोदी अब चाहेंगे कि यह सीट अब उनके पाले में आए।

लोकसभा बुलेटिन में बताया गया है कि राहुल गांधी का इस्तीफा 18 जून को स्वीकार कर लिया गया है। इसके बाद तमाम कयासों और अटकलों को विराम देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि राहुल गांधी के वायनाड से इस्तीफा देने के बाद खाली हुई सीट पर प्रियंका गांधी पार्टी की प्रत्याशी होंगी और वो ही वायनाड उपचुनाव लड़ेंगी। राहुल गांधी ने इस बात की घोषणा करते हुए पत्रकारों से बात भी की। इस दौरान वो काफी भावुक नजर आए। भावना बहे राहुल ने कहा कि अब रायबरेली और वायनाड को दो-दो सांसद मिलेंगे। दरअसल उपचुनाव जीतने के बाद प्रियंका गांधी वायनाड का प्रतिनिधित्व कर सकेंगी और रायबरेली से राहुल हैं। ऐसे में दोनों ही लोकसभा सीटों पर राहुल और प्रियंका मिलकर काम करते देखे जाएंगे, जिसकी घोषणा खुद राहुल और प्रियंका कर चुके हैं। उनके इस्तीफे के बाद लोकसभा में कांग्रेस की सीटों की संख्या 99 से घटकर 98 हो गई है। वायनाड सीट के उपचुनाव को लेकर कहा जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी को पूरे-जोर-शोर के साथ मैदान में उतरना होगा, जो मेहनत पहले की गई थी, उससे कहीं ज्यादा करनी होगी, तभी यहां से प्रियंका को जीत हासिल हो सकेगी। इसकी वजह बताने वाले भी यह कह रहे हैं कि चूंकि केंद्र में तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी इस सीट को अपने पाले में लाने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। इसलिए अब चुनौती बड़ी है इसलिए हर पल इस पर नजर रखने और रणनीति के तहत काम करने की आवश्यकता है।

सदमा: आईपीएस अफसर ने पत्नी के शव के पास बैठकर खुद को मारी गोली

गुवाहाटी एजेंसी।

असम के होम सेक्रेटरी और आईपीएस अफसर शिलादित्य चेतिया ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। वे 44 साल के थे और उनकी 40 वर्षीय पत्नी अगमोनी बोरबरुआ की मौत कैंसर के चलते हो गई थी। जैसे ही चेतिया को पत्नी की मौत की खबर लगी वे स्थानीय अस्पताल पहुंचे और आईसीयू में पत्नी के शव के पास बैठकर रोने लगे। उन्होंने अस्पताल के स्टॉफ से कहा मुझे प्रार्थना करना है इसलिए सब लोग बाहर चले जाएं। जैसे ही चेतिया अकेले हुए उन्होंने अपनी सर्विस रिवाल्वर निकालकर खुद को उड़ा लिया। गोली की आवाज सुनकर अस्पताल का स्टाफ उनके पास पहुंचा। डॉक्टरों ने चैक किया तो उनकी मृत्यू हो चुकी थी।

नेमकेयर के मैनेजिंग डायरेक्टर हितेश बरुआ ने बताया, 'गोली की आवाज सुनती है हम दौड़े और उन्हें अपनी पत्नी के शव के पास लेटे हुए पाया। हमने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन बचा नहीं सके। उन्होंने खुद को गोली मार ली थी। अगमोनी का करीब दो महीने से अस्पताल में इलाज चल रहा था। तीन दिन पहले उनकी हालत बिगड़ गई। हमने चेतिया को उनकी हालत के बारे में बताया और उन्होंने हमारी बात समझ ली थी।' बताया जा रहा है कि 12 मई, 2013 को उनकी शादी हुई थी और इस जोड़े का कोई बच्चा नहीं था। असम के डीजीपी जीपी सिंह ने चेतिया की मौत की पुष्टि की। उन्होंने इस घटना पर दुख जताया। चेतिया तिनसुकिया, नलबाड़ी, कोकराझार और बारपेटा जिलों में पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत रहे थे। उनके पिता भी पुलिस अधिकारी थे। अपनी वीरता और साहस के लिए जाने जाने वाले चेतिया ने आपराधिक और आतंकी संगठनों के खिलाफ कई अभियानों का नेतृत्व किया था। इसके लिए ही उन्हें साल 2015 में स्वतंत्रता दिवस पर वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक मिला था।

केन्या में रोटी पर टैक्स, विरोध में सड़क पर उतरे लोग

नायरोबी, एजेंसी।

केन्या में आर्थिक संकट से उबरने के लिए राष्ट्रपति विलियम रूटो ने देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए कुछ अहम कर सुधार किए थे। इसके लिए कर अधिनियम 2023 पारित किया था। इस अधिनियम में ब्रेड पर भी 16 फीसदी कर लगाने का प्रावधान किया गया था। इसके खाद्य तेलों, मोबाइल मनी सर्विस और गाड़ियों पर भी भारी-भरकम कर लगाने की बात कही गई थी। लेकिन, केन्या के लोगों को सरकार के ये कर सुधार बिल्कुल पसंद नहीं आए। सरकार के इन कदमों के खिलाफ लंबे समय से केन्या में हिंसक विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। इसी को देखते हुए सरकार ने अब प्रस्तावित कुछ करों को वापस लेने का ऐलान किया है।

विवादित कर अधिनियम 2023 के जिस प्रावधान पर सबसे ज्यादा हंगामा मचा है, वो है ब्रेड पर 16 फीसदी टैक्स लगाने का प्रस्ताव। लोगों का कहना है यह भारी-भरकम टैक्स लागू होते ही लोगों के भूखे मरने की नौबत आ जाएगी। केन्या में कॉस्ट ऑफ लिविंग पहले ही बहुत ज्यादा है। ऐसे में ब्रेड पर 16 फीसदी टैक्स लगाना सही नहीं है। इसके अलावा पेट्रोलियम पदार्थों पर भी टैक्स की दर को भी दोगुना करके 16 फीसदी कर दिया गया। खाद्य तेलों पर भी टैक्स में भारी इजाफा किया गया।ये जनता को बिल्कुल पसंद नहीं और पिछले करीब एक साल से केन्या में सड़कों पर हर रोज पुलिस और लोगों के बीच झड़प हो रही थी।आम लोगों के साथ ही केन्या की विपक्षी पार्टियां भी सरकार के कर अधिनियम 2023 का विरोध कर रही हैं। लंबे समय से चल रहे विरोध प्रदर्शनों में अब तक कई लोग मारे गए हैं और बहुत से घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा हिंसक झड़पें राजधानी नैरोबी में हुई। हाल ही में नैरोबी में प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। करीब 200 लोगों को हिरासत में लिया गया। गौरतलब है कि केन्या पर भारी-भरकम कर्ज है। इस समय उस पर 80 बिलियन डॉलर का ऋण है। देश की अर्थव्यवस्था काफी खराब है। महंगाई बढ़ने से लोगों के लिए जीवन-यापन करना बहुत मुश्किल हो रहा है। देश की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए राष्ट्रपति विलियम रूटो की सरकार पर भारी दबाव है। अपनी आमदनी बढ़ाने को सरकार ने नये टैक्स लगाए।

ईडी का दावा: केजरीवाल ने आप पार्टी के लिए 100 करोड़ रुपए रिश्वत मांगी

नई दिल्ली।

आबकारी नीति घोटाले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 3 जून तक केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ा दी है। अदालत में अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर भी सुनवाई हुई है। ईडी ने केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध किया है। सुनवाई के बाद एएसजी एसवी राजू ने कहा, हमने अदालत से कहा कि, हमारे पास इस बात के पुख्ता सबूत है कि अरविंद केजरीवाल ने पीएमएलए के तहत अपराध किया है।' हमारे पास सिर्फ अप्रूवल के बयान नहीं है बल्कि गवाहों के बयान भी हैं और डॉक्यूमेंट से जुड़े सबूत भी हैं। इसके अलावा भी काफी मटैरियल है जिसके हिसाब से इनके खिलाफ अपराध बनता है। एसवी राजू ने आगे कहा कि, गवाह ने कहा है कि अरविंद केजरीवाल ने 100 करोड़ रुपये घूस की मांग की है। आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के केस में केजरीवाल की जमानत याचिका का विरोध करते हुए ईडी ने अदालत में कहा कि, केजरीवाल ने साउथ ग्रुप से अपनी पार्टी के लिए 100 करोड़ रुपये घूस की डिमांड की थी। केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोर्ट मे कहा कि, अगर आम आदमी पार्टी इस केस में आरोपी है और अपराध करती है तो पार्टी के इंचार्ज इसके लिए जिम्मेदार हैं। ईडी ने अदालत से कहा कि, जब दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया इस केस मे आरोपी बनाए गए थे तब आप को आरोपी नहीं बनाया गया था।

ईडी ने कोर्ट मे विशेष जज नियाय बिंदू के सामने कहा, केजरीवाल ने घूस मांगा। उन्होंने 100 करोड़ रुपया घूस मांगा। केजरीवाल ने आप पार्टी के लिए फंड मांगा। केजरीवाल ने साउथ ग्रुप से रिश्वत मांगी। आप यह नहीं कह सकते है कि वो इस अपराध के लिए दोषी नहीं हैं। अगर आम आदमी पार्टी अपराध करती है तो हर वो शख्स जो पार्टी का इंचार्ज है दोषी माना जाएगा। अब आप को आरोपी बनाया गया है तो पार्टी ने जो किया उसके लिए केजरीवाल जिम्मेदार हैं। बता दें कि, अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हैं। मामले मे गुरुवार को भी सुनवाई जारी रहेगी। अपनी दलीलेंपेश करते हुए एएसजी ने कहा कि, दिल्ली शराब घोटाले में पीएमएलए के तहत दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को भी जमानत नहीं मिली। एएसजी ने कहा कि केजरीवाल ने पैसे मांगे यह बात ना सिर्फ ईडी अफसरों द्वारा दर्ज किए बयान सेसाबित होते है बल्कि मजिस्ट्रेट के बयान से भी साबित होते हैं। एएसजी ने कहा कि, घूस साबित हो चुका है। पैसे गोवा गए थे। यह हवाला डीलर्स को दिए गए। हमारे पास बयान दर्ज हैं। काफी मात्रा में कैश भी दिया गया था जो साबित हो चुका है। कथित शराब घोटाले मे अरविंद केजरीवाल को इसी साल 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 1 जून तक अंतरिम जमानत दी थी। अदालत मे केजरीवाल की तरफ से मौजूद एडवोकेट विक्रम चौधरी ने कहा कि केजरीवाल इस अपराध मे आरोपी नहीं हैं। वरिष्ठ वकील ने गवाहों और अप्रूवरों के बयान पर भी सवाल उठाए। वरिष्ठ वकील ने मगुंटा रेड्डी के बयान पर प्रकाश डाला और यह भी कहा कि, वो अब एनडीए गठबंधन का हिस्सा है।

राम मंदिर परिसर में चली गोली, जवान की मौत

अयोध्या। अयोध्या स्थित राम मंदिर परिसर में गोली चलने और संदिग्ध परिस्थितियों में एक जवान की मौत होने की खबर है। घटना बुधवार अल सुबह 5.25 बजे की बताई जा रही है। गोली चलने की घटना से मंदिर परिसर में ह?कंप मच गया। इस घटना में मंदिर परिसर में तैनात एसएसएफ के जवान की गोली लगने से संदिग्ध परिस्तिथियों में मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि अयोध्या स्थित राम मंदिर परिसर में बुधवार सुबह करीब 5.25 बजे गोली चलने की घटना घटित हो गई। इस घटना से मंदिर परिसर में ह?कंप मच गया। सूत्रों के मुताबिक गोली चलने की आवाज सुन साथी सुरक्षाकर्मी घटना स्थल पहुंचे तो उन्होंने देखा कि जवान को गोली लगी हुई है। घायल जवान साथी को उन्होंने अस्पताल भेजा। जानकारी अनुसार गोली लगने से जवान की हालत गंभीर बनी हुई थी, जिसे देखते हुए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। ट्रामा सेंटर पहुंचने पर चिकित्सकों ने घायल जवान को मृत घोषित कर दिया।

संदिग्ध परिस्थिति में हुई जवान की मौत से मंदिर परिसर में ह?कंप के साथ ही डर और भय का वातावरण बन गया। सूचना पर आईजी और एसएसपी घटना स्थल पहुंचे थे। इसके साथ ही घटनास्थल की जांच की गई है। इस घटना में मृत जवान का नाम शत्रुघ्न विश्वकर्मा (उम्र 25 वर्ष) है। उक्त जवान अंबेडकरनगर के निवासी बताए गए हैं। घटना स्थल पहुंची फॉरेंसिक टीम भी जांच में जुट गई है। पुलिस सूत्रों का यह भी कहना है कि यह मामला आत्महत्या या हादसा भी हो सकता है। जांच और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मामले की वजह और स्पष्ट हो सकेगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की पुस्तिका का विमोचन किया गया

माही की गूंज, झाबुआ।

इंदौर संभाग के प्रभारी तथा अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास मलय श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संभागीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्रीवास्तव ने इंदौर संभाग में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रभारी तथा अपर मुख्य सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत डॉक्यूमेंटेशन के निर्देश दिए गए थे। उसी तारतम्य में कलेक्टर नेहा मीना द्वारा झाबुआ जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत हुए कार्यों की पुस्तिका के रूप में डॉक्यूमेंटेशन कराया गया। अपर मुख्य सचिव द्वारा इस कार्य की प्रशंसा कर पुस्तिका का विमोचन किया गया। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 20 लाख से अधिक सीड बॉल

लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड एवं अभियान अंतर्गत जिले में किए गए कार्यों की सराहना की गई। कलेक्टर नेहा मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा सीड बॉल से भी अवगत कराया गया एवं यह भी बताया कि, वह किस प्रकार बनाया जाता है।

जल गंगा संवर्धन अभियान झाबुआ की पुस्तिका में बताया गया है कि, जिले में इस अभियान अंतर्गत 5 जून से 16 जून 2024 तक विभिन्न जल संरचनाओं की सफाई, गहरीकरण, जीर्णोद्धार किया गया। इसमें अभियान के प्रारंभ एवं अभियान के बाद दोनों स्थिति, जनता की भागीदारी, सीड बॉल किस प्रकार बनाया जाता है, सफलता की कहानियां, जमीनी स्तर पर कार्यवाही, मीडिया कवरेज, उपलब्धियां आदि के बारे में बताया गया हैं।

इस अवसर पर उन्होंने बताया कि, यह अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि, इंदौर संभाग में जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत उत्कृष्ट एवं प्रभावी कार्य हुए हैं। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को बधाई भी दी। साथ ही निर्देश दिए कि, सभी जिलों में अभियान के अन्तर्गत जब तक बारिश नहीं हो, तब तक नदी, तालाबों और कुओं की साफ-सफाई और गहरीकरण का कार्य जारी रखा जाये।

विश्व सिकल सेल दिवस मनाया गया, विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया की उन्मूलन हेतु ''राज्य् हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन'' के अंतर्गत जिलें में सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग, जांच, प्रबंधन, काउंसलिंग एवं रोकथाम हेतु कार्ययोजना का संचालन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 19 जून 2024 को ''विश्व सिकल सेल दिवस'' के रूप में मनाया गया।

सिकल सेल दिवस पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में जिला डिंडौरी से लाईव प्रसारण किया जाकर कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें जिला स्तर पर 578 व्यक्ति सहभागी हुए। जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ ही सिकल सेल परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसके अंतर्गत कुल 267 बच्चों के सिकल सेल की जांच की गई। जिसमें से कुल 29 बच्चें सिकल सेल रोग से ग्रसित मिले तथा 82 बच्चें सिकल सेल वाहक पाये गयें। चिन्हित सिकल सेल रोगियों को आयोजित शिविर में विषय विशेषज्ञों द्वारा परामर्श की व्योवस्थाल, टेलीकंसल्टेशन हेतु ऑनलाईन डेस्क् की व्यवस्था, उपचार एवं प्रबंधन हेतु औषधि हाइड्रोक्सी यूरिया का वितरण, जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड, फोलोअप कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र के वितरण की व्यवस्था भी की गई थी। साथ ही संपूर्ण जिले में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 8194 जनमानस कार्यक्रम में सहभागीता की। समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं पर कुल 6570 सिकल सेल की टेस्टिंग की गई जिनमें से कुल 134 सिकल सेल पॉजिटिव एवं 154 सिकल सेल वाहक पाये गयें। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजें से शासकिय नर्सिंग महाविद्यालय बाड़कुआं रोड़ झाबुआ में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अपर कलेक्टर एस.एस. मुजाल्दा की अध्यसक्षता तथा मुख्य अतिथि श्रीमती कविता सिंगार की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.एस.बघेल ने जिलेवासियों को स्वास्थ्य अमले के साथ सहयोग एवं सहभागिता कर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुसार वर्ष 2047 तक पूर्ण रूप से सिकल सेल खत्म करने हेतु आव्हान किया। कार्यक्रम में शासकिय नर्सिंग महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा नुक्कड नाटक के रंगमंच कार्यक्रम के द्वारा जन-जागरूकता का संदेश दिया गया।

मत्स्य क्रय-विक्रय 16 जून से 15 अगस्त तक बंद

माही की गूंज, झाबुआ।

क्षेत्रीय प्रबंधक, म.प्र. मत्स्य महासंघ (सहकारी) भर्यादित इंदिरासागर जलाशय, नर्मदानगर जिला-खंडवा की अधिसूचना अनुसार वर्षा ऋतु में मछलियों की वंश वृद्धि (प्रजनन) की दृष्टि से उन्हें संरक्षण देने हेतु मध्य प्रदेश के सभी जल संसाधनों में म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग नियम 1972 की धारा 3 (2) के अंतर्गत प्रतिवर्ष 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि तक बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित किया गया है। म.प्र. मत्स्य महासंघ के अधीन इंदिरासागर, ओंकारेश्वर, मान एवं माही जलाशयों में भी उक्त अवधि (16 जून 2024 से 15 अगस्त 2024 तक) में सभी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य क्रय-विक्रय, मत्स्य विनिमय अथवा मत्स्य परिवहन करना निषेध होगा।

इन नियमों का उल्लंघन करने पर मत्स्य प्रदेश राज्य मत्स्य क्षेत्र (संशोधित) अधिनियम 1981 की धारा 5 के तहत उल्लंघनकर्ता को एक वर्ष का कारावास या पांच हजार रूपये जुर्माना या दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है।

इस अधिसूचना के माध्यम से जन साधारण को सूचित किया जाता है कि, इस अवधि में इंदिरासागर, ओंकारेश्वर, मान एवं माही जलाशयों में किसी प्रकार का मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन न तो स्वयं करें और न ही अन्य को इस कार्य में सहयोग दें।

स्कूलों में मनाया गया प्रवेशोत्सव

माही की गूंज, झाबुआ।

मध्यप्रदेश शिक्षा विभाग एवं राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के निर्देशानुसार स्कूल चलें हम अभियान 2024-25 का शुभारंभ 18 जून 2024 से जिले में हुआ। जिसमें 20 जून 2024 तक विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ प्रत्येक शासकीय शालाओं में आयोजित की जायेंगी। इसी कडी में 18 जून 2024 को सभी शालाओं में प्रवेशोत्सव मनाया गया। उपस्थित सभी बच्चो को निशुल्क 8 पाठयपुस्ततक वितरित की गयी एवं बच्चो के लिये विशेष भोज का आयोजन किया गया। 19 जून 2024 को शिक्षक, अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अभिभावको को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गयी। राज्य शासन की ओर से अभिभावको को संबोधित पत्र का वितरण किया गया। स्कूल चलें हम अभियान 2024-25 के अंतर्गत 20 जून 2024 को भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी अधिकारी भी आवंटित शाला में पहुंचकर किसी भी एक कक्षा में एक कालखण्ड का अध्यापन कार्य करायेंगे। इसके लिये कलेक्टर एवं सह जिला मिशन संचालक समग्र शिक्षा अभियान झाबुआ नेहा मीना द्वारा 86 जिला अधिकारियों को शाला आवंटित की गई है।

प.रे. के सचिन शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका में कॉमरेड्स मैराथन में हासिल की सफलता

माही की गूंज, रतलाम।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के सचिव सचिन अशोक शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका में हाल ही में समाप्त कॉमरेड्स मैराथन 2024 में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। कॉमरेड्स मैराथन दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण लंबी दूरी की दौड़ों में से एक है। शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका में डरबन से पीटरमैरिट्जबर्ग तक चलने वाली 86 किलोमीटर की इस मैराथन को 11 घंटे और 24 मिनट में पूरा किया। कॉमरेड्स मैराथन, जिसे दुनिया की सबसे पुरानी और सबसे कठिन मैराथन के रूप में जाना जाता है, में विभिन्न देशों के 20 हजार धावकों ने भाग लिया, जिसने इसे दुनिया की सबसे बड़ी मैराथन बना दिया। 1921 में शुरू की गई इस ऐतिहासिक दौड़ में एक हजार 800 मीटर की ऊंचाई के साथ एक कठिन चढ़ाई शामिल है।

सचिन शर्मा की उपलब्धि एक नियमित फिटनेस उत्साही के रूप में उनके समर्पण और धीरज का प्रमाण है। वे अपने स्कूल के दिनों (सिंधिया स्कूल, ग्वालियर) से ही खेल और बाहरी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं, जिसमें एथलेटिक्स, क्रिकेट, फुटबॉल, बॉक्सिंग, स्केटिंग, बैडमिंटन, शूटिंग आदि में उनकी विशेष रुचि है। कॉलेज में, उन्होंने वेट ट्रेनिंग और छोटी दूरी की दौड़ का अभ्यास किया।

सिविल सेवा की तैयारी के दिनों में, वे रोजाना जॉगिंग करते रहे और अकादमी में रहते हुए उन्होंने क्रॉस कंट्री में स्वर्ण पदक जीता। सचिन ने अपने व्यस्त कार्य शेड्यूल के बावजूद जिम में नियमित स्ट्रेंथ ट्रेनिंग के साथ-साथ थोड़ी बहुत दौड़ भी जारी रखी। उन्होंने कोविड महामारी लॉकडाउन के दिनों में योग और किक बॉक्सिंग शुरू की।

पिछले कुछ वर्षों में सचिन शर्मा ने कई 10 किमी दौड़, हाफ और फुल मैराथन, अल्ट्रा मैराथन, ट्रायथलॉन में भाग लिया है। इनमें से कुछ उल्लेखनीय हैं लद्दाख फुल मैराथन, टाटा मुंबई मैराथन, वसई-विरार मैराथन, टाटा अल्ट्रा (50 किमी), कास अल्ट्रा (65 किमी), खारदुंग ला चैलेंज (हाई एल्टीट्यूड में 72 किमी), पुणे अल्ट्रा ट्रायल रन (100 किमी), गोवा आयरनमैन (70.3 किमी), बर्गमैन (113 किमी), बर्गमैन ओलंपिक डिस्टेंस। उन्होंने ओपन सी स्विमिंग में भी भाग लिया और उसे पूरा किया है। सनक रॉक टू गेटवे (5 किमी)-राष्ट्रीय स्तर, मालवन सी स्विमथॉन (3 किमी)-राष्ट्रीय स्तर और जुहू सी स्विमथॉन (3 किमी)-राज्य स्तर।

इस कॉमरेड मैराथन के सफल समापन के साथ शर्मा अब सितंबर 2024 में लद्दाख में आयोजित होने वाले सिल्क रूट अल्ट्रा (122 किमी), दिसंबर 2024 में हेल रेस जैसलमेर से लोंगेवाला (160 किमी) और नवंबर 2025 में पुणे अल्ट्रा (160 किमी) के साथ-साथ 2025 में आयरनमैन ऑस्ट्रेलिया में भाग लेने का लक्ष्य बना रहे हैं।

तीन दिवसीय धार्मिक महोत्सव संपन्न

माही की गूंज, पेटलावद।

भक्ति, आस्था, उल्लास और उत्साह के साथ पादुका पूजन के साथ तीन दिवसीय अखंड संकिर्तन की हुई पूर्णाहुति। अरूणोदय वेला में संकिर्तन की पूर्णाहुति वेद मंत्रों के साथ अभिषेक करते हुए भक्तों पर पुष्प वर्षा कर की गई। गुजरात से आये भक्तों ने लगातार तीन दिन तक अखंड संकिर्तन में अपना संपूर्ण सहयोग प्रदान किया। इसके साथ ही नगर व थांदला वैकुंठधाम के गुरू भक्तों ने भी अपना सहयोग देकर आयोजन को सफल बनाया। संकिर्तन की पूर्णाहुति के साथ ही अन्नपूर्णा पूजन का शुभारंभ हुआ, जिसका लाभ इंदौर के अनंत पंवार परिवार ने लिया। इसके पश्चात आयोजन की महत्वपूर्ण कडी पादुका पूजन का आयोजन किया गया। जिसमें सैकडों भक्तों ने शामिल होकर भगवान की पादुका पूजन की और श्री जी पादुका स्पर्श महोत्सव का लाभ लिया।

पादुका पूजन का शुभारंभ अध्यक्ष ओमप्रकाश भट्ट ने पूजन व अभिषेक कर के किया। इसके पश्चात गुरूभक्तों ने पादुका पूजन का लाभ लिया। पादुका पूजन के दरम्यान गुरू भक्ति के भजनों का आनंद गायक कलाकारों ने दिया। सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक पादुका पूजन का क्रम चला। इसके पश्चात गुरूभक्तों ने मिलकर महाआरती का लाभ उठाया जिसमें बडी संख्या में गुरूभक्तों की उपस्थिति में महाआरती और स्तुति गाई गई। इसके पश्चात महाप्रसादी का लाभ भी श्रद्धालुओ ने लिया।

तीन दिवसीय आयोजन में प्रतिदिन भगवान का तीन बार आरती और श्रंगार किया गया। आयोजन का उद्देश्य गुरूदेव के प्रथम बार नगर आगमन की याद को चिरस्थाई बनाये रखना है और गुरूभक्तों को मिलन का एक अवसर प्रदान करना है। इस आयोजन में गुजरात,महाराष्ट्र और राजस्थान सहित मध्यप्रदेश के गुरूभक्तों ने अपनी उपस्थिति दी।

जागो ! डॉ. मोहन प्यारे, जागो!!

मै अपने मध्यप्रदेश और अपने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से बहुत लगाव रखता हूँ। मेरा अपने सूबे और सूबे के मुख्यमंत्री से भगवान और भक्त का रिश्ता है। ये बात और है कि हमारा कभी सीधा साबका नहीं पड़ा। भक्तों को ये आजादी है ककी वो अपने भगवान से कुछ भी शिकायत कर सकता है। भक्त अपने भगवान से बेहद आत्मीय यानि तू-तड़ाक की भाषा भी बोले तो उसका बुरा नहीं माना जाता इसलिए मै हमेशा आपने भगवान को जगाता रहता हूँ ताकि वे सो न जाएँ। वे सोये तो समझिये की सूबे का बड़ा गर्क। वे भटके तो समझिये की सूबे में भाजपा का बड़ा गर्क।

हमारे सूबे के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पिछले तीन महीने से आम चुनाव में एक यादव नेता के रूप में अपनी पार्टी के लिए काम कर रहे थे थक गए है। उन्हें उबासियाँ भी खूब आतीं है। चूंकि वे चुनाव में व्यस्त थे इसलिए सूबे की नौकरशाही अपने आप में मस्त हो गए। सचिवालय ठप्प हो गया। कमलनाथ के जमाने में सचिवालय की जो दुर्दशा थी, ठीक वैसा ही माहौल आजकल भोपाल में है। कोई किसी की सुनने वाला नही। कोई किसी को बूझने वाला नही। कभी-कभी लगता है कि मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव का राज नहीं बल्कि सचमुच का राम राज चल रहा है।

अख़बारों और मीडिया से पता चला है कि हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सूबे में क़ानून और व्यवस्था की दशा सुधारने के लिए भारतीय दंड संहिता के बजाय यूपी की तर्ज पर बुलडोजर संहिता का न सिर्फ इस्तेमाल करने की गलती कर रहे हैं बल्कि उसे प्रोत्साहित भी कर रहे है। ये कोशिश उनसे पहले के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी की थी, लेकिन वे समय रहते नींद से जाग गए थे, किन्तु दुर्भाग्य ये है कि हमारे मोहन प्यारे जागने के बजाय और ज्यादा तेजी से झपकियां ले रहे हैं। उनकी सरकार क़ानून और व्यवस्था सम्हालने के लिए पहले से मौजूद 1248 कानूनों का सहारा लेने का बजाय बुलडोजर का सहारा ले रही है। डॉ. साहब भूल जाते है कि बुलडोजर क़ानून से भी ज्यादा जन्मांध होता है। बुलडोजर आरोपियों को नहीं बल्कि उन निर्दोष लोगों का भविष्य जमींदोज करता है जिनका अपराध से कोई लेना देना नहीं होता। मोहन प्यारे भूल जाते हैं कि देश का कोई क़ानून किसी भी आरोपी को अदालत से दोष सिद्ध होने तक बुलडोजर से नहीं रौंद सकता।

हमारे मुख्यमंत्री संयोग से पढ़े-लिखे है। उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की है लेकिन वे राज-काज चलाने में अनाड़ी साबित हो रहे है। वे भूल रहे हैं कि वे सूबे में जनमत के जिस खलिहान पर खड़े हैं उसकी फसल उन्होंने नहीं बल्कि उनके बड़े भाई शिवराज सिंह चौहान ने बोई और काटी थी। चौहान अब देश कि कृषि मंत्री हैं।

हमारे मोहन प्यारे ने छह महीने में क्या किया इसकी जानकारी सम्भवतः किसी को न होती जो उनकी सरकार की उपलब्धियों के बड़े-बड़े इश्तहार न छपते। इश्तहारों की बैशाखी से चलने वाली सरकारें ज्यादा लोकप्रिय नहीं होती। लोकप्रियता हासिल करने कि लिए जमीन पर काम करना पड़ता है। हवाई यात्रा से हटकर रेल,बस के साथ ही पदयात्रा भी करना पड़ती है। अपने सूबे कि मतदाताओं से एक रिश्ता कायम करना पड़ता है। शिवराज ने इसी रिश्तेदारी की बिना पर प्रदेश में 18 साल से ज्यादा राज किया। पटखनी भी खाई, लेकिन फिर से उठ खड़े हुए। मोहन जी, चौहान साहब से कुछ सीख सकते है। अब सीखें या न सीखें ये उनकी मर्जी। डम्पर घोटाले से लेकर सैकड़ों घोटालों के बाद भी शिवराज सिंह सूबे में कैसे लोकप्रिय बने रहे? इसके बारे में डॉ मोहन यादव को एक बार फिर पीएचडी करना चाहिए।

मै बात बुलडोजर संहिता की कर रहा था। मेरे ख्याल से ये संहिता न किसी संसद से पारित है और न किसी विधानसभा से। ये एक कुंठित और तालिबानी सोच की उपज है, ये अवाम को भयभीत करने का तरीका है। उत्तर प्रदेश में सुशासन कि लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर संहिता का जमकर इस्तेमाल किया और आज भी कर रहे हैं, लेकिन उन्हने क्या हासिल हुआ? आम चुनाव में जनता ने भाजपा का सूपड़ा साफ़ कर दिया। जाहिर है कि जनता भारतीय दंड संहिता कि अनुसार तो चल सकती है किन्तु बुलडोजर संहिता को बर्दाश्त नहीं कर सकती। योगी आदित्यनाथ की बुलडोजर संहिता पूरी भाजपा पर ही नहीं खुद प्रधानमंत्री जी पर भी भारी पड़ी। वे खुद काशी से राम-राम जपकर चुनाव जीते। उत्तर प्रदेश में भाजपा की जो दुर्दशा हुई उसका एक ही सन्देश है कि- भाई बुलडोजर संहिता को त्याग दीजिये। बुलडोजर का निशाना संयोग से या इरादतन पेशेवर आरोपियों कि साथ वे समुदाय बनते दिखाई दे रहे हैं जो भाजपा को शुरू से फूटी आँख नहीं सुहाते। हमारे सूबे में तो अब अल्पसंख्यक ही नहीं बल्कि अंग्रेजों कि जमाने में आपराधिक जातियों की फेहरिस्त में शुमार किये गए कंजर भी आ गए हैं।

मध्यप्रदेश को जलसंकट से उबारने, बेरोजगारी से मुक्त करने और विकास कि रास्ते पर तीव्र गति से दौड़ने के लिए जिस सम्यक दृष्टि की जरूरत है वो अभी डॉ मोहन यादव की सरकार में नजर नहीं आ रही। वे प्रधानमंत्री वायुसेवाओं का उद्घाटन करते फिर रहे हैं लेकिन उन्हने नहीं मालूम कि आज भी प्रदेश के ग्वालियर जैसे बड़े शहर में नगर बस सेवा नहीं है। अभी तक ग्वालियर दुर्ग पर पहुँचने के लिए रूप-वे नहीं ह। अभी तक सूबे की सरकार की कोई छप जनमानस पर पड़ी नहीं है। डॉ यादव यदि अकड़कर चलेंगे तो शायद बात नहीं बनेगी। उनका जन-प्रतिनिधियों और मीडिया से जब तक सीधा, सहज, सरल संवाद कायम नहीं होता तब तक न वे डॉ मोहन यादव ही बन पाएंगे और न ही शिवराज सिंह चौहान। उनके सामने शिवराज सिंह लोकप्रियता की इतनी बड़ी लकीर पहले ही खींच चुके हैं कि उसका मुकाबला करना आसान नहीं है। उन्हें अब चुनावी दौरों से अपने आपको अलग कर सूबे की समस्याओं के निदान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मध्यप्रदेश में जितने भी गैर कांग्रेसी और भाजपाई मुख्यमनत्री बने हैं, मुझे उनमें से सबका काम देखने का अवसर मिला है। सर्वश्री वीरेंद्र सखलेचा, सुंदरलाल पटवा और कैलाश जोशी के अलावा सुश्री उमा भारती, बाबूलाल गौर और शिवराज सिंह चौहान को मैंने कार्य करते देखा है। इनमें से अनेक के साथ मेरे मित्रवत रिश्ते भी रहे। मप्र में भाजपा को सत्ता में लाने वाली उमा जी 9 माह में ही सत्ताच्युत हो गयीं। उनके पंचज को उन्हीं की पार्टी की सरकारों ने भुला दिया। गौर साहब की योजनाओं का भी कोई अता-पता नहीं है। शिवराज सिंह चौहान की सरकार के समय बनी योजनाओं का भी नई सरकार में यही हाल हो रहा है, सिवाय लाड़ली बहना योजना को छोड़कर। डॉ मोहन यादव सरकार सात महीने में ऐसी कोई योजना शुरू नहीं कर पायी है जो लाड़ली लक्ष्मी या लाड़ली बहना योजना का मुकाबला कर उन्हें नयी पहचान दिला सके।

राकेश अचल

डॉ मोहन यादव के प्रति मेरी पूरी सहानुभूति है क्योंकि वे किस्मत से मुख्यमत्री बने है। उन्होंने प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के लिए कोई पापड़ नहीं बेले। जिन लोगों ने मुख्यमंत्री बनने के लिए पापड़ बेले थे उनमें से अनेक या तो मार्गदर्शक मंडल में जा चुके हैं या चुपचप अपनी वरिष्ठता भुलाकर डॉ यादव के मंत्रिमंडल में रहकर काम कर रहे हैं। ऐसे में आवश्यक है कि डॉ मोहन यादव यानि हमारे मोहन प्यारे अपने आपको न वीरेंद्र सखलेचा की तरह शुष्क बनने दें, न सुंदरलाल पटवा की तरह अकड़ू बनने दे, न कैलाश जोशी की तरह सुस्त बनने दे। न उमा भारती की तरह अग्निमुखी और आत्म मुग्ध बनने दें, न बाबूलाल गौर की तरह गिलगिला बनने दे। वे शिवराज सिंह चौहान भी न बनें, बल्कि सबसे अलग सबके मन को मोहने वाले मोहन यादव बने। सुझाव मैंने दे दिए है। बाकी वे खुद समझदार हैं। समझ से काम लेंगे तो हमेशा याद किये जायँगे अन्यथा उन्हें मोशा की जोड़ी कभी भी शंट कर सकती है। वजह साफ़ है कि अभी तक उनकी जड़ें जमीन में नहीं हवा में है। जिन्हें वायुमूल कहा जाता है।

बनाओ, तोड़ो और फिर बनाओ, बस इसी प्रक्रिया में जमकर पैसा कमाओ

आमजन को दिखता है गलत, मगर नगरपालिका के जिम्मेदारों को दिखता सही-सही

माही की गूंज, झाबुआ।

पहले नाले पर बनाया डेढ़ फिट ऊंचा टेपर, जब वाहन निकलने में परिशानियां होने लगी और लोगों ने विरोध किया तो अब फिर से उसे तोड़ वापस बनाया जा रहा है।

अक्सर यह देखा गया है कि, नगरपालिकाएं अपनी कार्यप्रणाली को इस तरह से चलाती है कि काम भी चलता रहे और पैसा भी आता रहे। इसके लिए नगरपालिकाओं द्वारा कुछ ऐसी पद्यति अपनाई जाती है कि, पहले सड़क बनाओ फिर उसे कोई भी पाइप लाइन या केबल डालने के लिए खुदवाओ और बाद में फिर से उसी सड़क को बनवाओ। नगरपालिकाओं में इस प्रक्रिया का वर्षों से यही ढर्रा चला आ रहा है। जबकि होना तो यह चाहिए कि, सड़क निर्माण के पहले सड़क के नीचे से गुजरने वाली पाइप लाईन या केबल लाइन का काम पूरा किया जाए जिसके बाद सड़क का निर्माण किया जाए, मगर ऐसा होता नहीं है। क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो नगरपालिका व उसमें बैठे भ्रष्टों की पैसा कमाने की तकनीक पूरी तरह से फैल हो जाएगी। इसके कई उदाहरण झाबुआ शहर में पहले भी देख चुका है। जब नल-जल योजना की पाइप लाईन शहर में मंजूर हो चुकी थी, बावजूद इसके नगरपालिका ने शहर में सड़क निर्माण का कार्य किया था, जिसके बाद नल-जल योजना की पाइप लाईन डालने के लिए फिर से नई बनी सड़क को खोदा गया। पाइप लाईन डलने के बाद शहर की कई सड़कों को फिर से बनाया गया। मतलब बनाओ, तोड़ो और फिर से बनाओ, बस इसी तरह से पैसा कमाओ।

यही बात एक बार फिर शहर के वार्ड नंबर 2 में देखने को मिली है। यहां नगरपालिका ने सड़क को बीच से क्रास कर रहे नाले के जाम हो जाने पर खोला था। यह नाला अक्सर जाम हो जाता था और नाले का गंदा पानी सड़क पर बहने लगता था, चूंकि करीब ही मनकामेष्वर महादेव मंदिर है और शहर की जामा मस्जिद को जोड़ने वाला यह मुख्य मार्ग है तो इस नाले के बार-बार जाम होने से मंदिर और मस्जिद जाने वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। पार्षद की कोशिशों से नगरपालिका ने इस नाले के रिनोवेशन का काम मंजूर किया और जाम हुए नाले को खोलकर उसमें एक बड़ा सा पाईप डाला गया ताकि नाला जाम की समस्या से लोगों को निजात दिलाई जा सके। यह काम नगरपालिका के इंजिनियर और ठेकेदार की निगरानी में चल रहा था। नाले को यथा स्थिति में खोलकर उसमें एक बड़ा पाईप डाला गया जो मुख्य सड़क की सतह से काफी उंचा रह गया। इस पाईप को लेवल में लाने की बजाय ठेकेदार ने इस पाईप को उंचा ही रहने दिया और इस पर लोहे के सरियों का जाल बिछाकर कांक्रीट माल से ढंक दिया। स्थिति यह हो गई कि, यहां एक बड़ा सा स्पीड ब्रेकर बन गया जिसकी उंचाई करीब डेढ़ फिट हो गई। जब लोगों ने इसे देखा तो कईयों ने इस पर आपत्ती जताई और ठेकेदार सहित पार्षद व नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि को इससे अवगत कराया। लोगों ने इस कार्य के अमानक होने की शिकायतें भी की, लेकिन सभी जिम्मेदारों ने इसे अनसुना कर दिया। मतलब एक समस्या से निपटने के लिए नगरपालिका ने लोगों के लिए दूसरी समस्या खड़ी कर दी। अब आम जनता की स्थिति आसमान से गिरा खजूर में अटका वाली हो गई।

आम लोगों ने जब इस पर आपत्ती या असहमति जताई, तो यह सहज ही समझ आ जाना चाहिए कि कुछ तो गलत हुआ है। क्योंकि जो आम लोगों को समझ आ रही थी वह शायद ठेकेदार व नगरपालिका के इंजिनियरों को समझ नहीं आ रही थी। इससे नगरपालिका के इंजिनियरों व ठेकेदार की कुशलता का अंदाजा लगाया जा सकता है। खैर कार्य पूर्ण हुआ और इस मार्ग पर बंद किया गया आवागमन फिर से बहाल हुआ तो स्थिति और खराब होती हुई सामने आई। नाले पर एक बड़ा सा डेढ़ फिट का ब्रेकर बनकर लोगों की राह में तैयार खड़ा था। आमजन के लिए मुसीबत यह हो गई कि अब इस नाले पर बने अमानक ब्रेकर से चार पहियां वाहनों का निकलना लगभग नामुमकिन सा हो गया। आने-जाने वाले चार पहियां वाहन इस अमानक बने स्पीड ब्रेकर से धड़ाधड़ टकराने लगे। इससे वाहनों में नुकसान का खतरा बहुत अधिक बढ़ गया। कई छोटे चार पहियां वाहन तो यहां आकर इस ब्रेकर पर लटक ही जाने लगे। समस्या गंभीर हुई और आमजन ने हल्ला किया तो जिम्मेदारों की चुंधियाई आंखे खुली और फिर शुरू हुआ नए निर्माण को तोड़कर फिर से बनाने का काम।

अब नगरपालिका इस बेतुके नव निर्माण को तोड़कर फिर से नव निर्माण करने में लगी है। हो सकता है नगरपालिका आमजन की इस समस्या को इस नव निर्माण के साथ हल कर दे, लेकिन इस नव निर्माण को तोड़कर फिर से नवनिर्माण करने में जो अर्थ व्यर्थ गया है उसका क्या...? पूर्व निर्माण में बर्बाद हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई अब कौन करेगा...? नगरपालिका या ठेकेदार...? या फिर दोनों ही नहीं, क्योंकि नगरपालिका की यह पद्यति तो वर्षों से चली आ रही है कि बनाओ, तोड़ो और फिर बनाओ, बस इसी प्रक्रिया में जमकर पैसा कमाओ!

श्रेया का संथाराः पति और सुसराल ने छोड़ा साथ, पिता और बेटी बने सहारा

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

डग (राजस्थान) निवासी सौभाग्य मल तलेसरा पोत्री एवं राजेंद्र तलेसरा की ज्येष्ठ पुत्री सुश्राविका श्रेया जैन जो विगत 5 वर्षो से कैंसर से पीड़ित थी ओर विगत वर्ष में निरंतर अथक चिकित्सा के उपरांत भी स्वास्थ्य निरंतर बिगड़ रहा था। ऐसी स्थिति में श्रेया ने संथारा लेने का निर्णय लिया और वर्तमान मैं डग स्थित साध्वी जी से संथारा दिलाने का अनुरोध किया। श्रेया जैन के निर्णय को परिजनों ने स्वीकार करते हुए साध्वी जी से श्रेया को संथारा के पचखान दिलवाये, तीन दिवस संथारे में रहते हुए श्रेया ने समता भाव से अरिहंत स्मरण करते हुए 17 जून को गुरुवार्य के समक्ष अपने प्राणो का उत्सर्ग किया।

ज्ञात रहे कि, श्रेया का विवाह झाबुआ जिले के पेटलावाद में हुआ था, उसे एक पुत्री भी है लेकिन पुत्री के जन्म के उपरांत कैंसर रोग होने पर सुसराल पक्ष और पति ने श्रेया ओर उसकी पुत्री से नाता तोड़ कर उन्हें डग (राजस्थान) उनके पिता राजेंद्र जैन के यहाँ भेज दिया था। उसके पश्चात् श्रेया के पिता ने इलाज का पूरा जिम्मा उठाया, संथारा साधिका श्रेया जैन की डोल यात्रा डग स्थानक भवन से 18 जून को निकाल कर अंतिम संस्कार किया गया।

मासूम की सर्पदंश से मौत

माही की गूंज, खवासा।

छः वर्षीय मासूम नाम सरस्वती जो अपनी मासूम एवं मीठी बातों से एवं शरारतों से घर में हर समय सबको खुश करने वाली अपने पिता रितेश व मां लक्ष्मी कटारा निवासी कुकड़ीपाड़ा की इकलौती मासूम सरस्वती सोमवार-मंगलवार की रात्रि में अपने माता-पिता के साथ घर के बाहर सोई थी कि, कहीं से मौत का ग्रास बन जहरीला सर्प आया और सोई हुई मासूम सरस्वती के हाथ में डस लिया। लेकिन सर्प डसने की बात का किसी को पता नहीं चला सर्व सरस्वती को डस कहीं गुम हो गया और सरस्वती सर्प के डसने के बाद रात 2 बजे अचानक रोने लगी पेट का दर्द समझकर माता-पिता ने अपनी मासूम बच्ची को सहलाया पानी पिलाया जिसके बाद मासूम ने हाथ में दुखना बताया तो माता-पिता ने देखा कि, हाथ की उंगली में किसी जानवर ने काट लिया है और थोड़ी ही देर में मासूम सरस्वती ने अपनी अंतिम सांस ली, पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम करवाया।

जीवन से शिकायत न करें समाधान खोजें - पुण्यशीलाजी

माही की गूंज, थांदला।

थांदला में पुण्य पुंज पुण्यशीलाजी म.सा. ने मंगल प्रवचन सभा में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए अपनी वैराग्यमय वाणी में फरमाते हुए पूछा कि, आप सभी को भगवान की वाणी कैसी लगती ...? भगवान क्या कहते है और आप क्या करते हो ...? भगवान ने कहा नींद नहीं लेना ...? आप क्या करते हो..? पूज्याश्री ने अपनी ओजस्वी वाणी में फरमाया कि, प्रायः नींद के लिये जीव बहुत अनुकूलता के पुरुषार्थ करता है, उसकी अनुमोदना अच्छी लगती है। ऐसी, कूलर, पंखें, आराम दायक गद्दे सबकुछ होने पर भी यदि नींद नही आये तो वह नींद की गोलियां तक लेने लग जाता है लेकिन ज्ञानियों ने नींद को प्रमाद बताया है। नींद से घोर दर्शनावरणीय कर्म का बंध होता है यह समकीत प्राप्ति में भी बाधक बनती है।

महासतियों का विहार

जैनाचार्य पूज्य श्री उमेशमुनिजी म.सा. ÷अणु÷ की पावन परम्परा को आगे बढ़ा रहे बुद्धपुत्र प्रवर्तक श्री जिनेन्द्रमुनिजी म.सा. की आज्ञानुवर्ती पुण्य पुंज पुण्यशीलाजी म.सा. आदि ठाणा -6 का पेटलावद कि ओर विहार हुआ। जानकारी देते हुए संघ अध्यक्ष भरत भंसाली व सचिव प्रदीप गादिया ने बताया कि, पुण्यशीलाजी म.सा. का धर्मदास गण में करीब 26 सतियाजी के साथ सबसे बड़ा सिंघाड़ा है, जिसमें पूज्याश्री का बदनावर चातुर्मास है, जबकि अनुपमशीलाजी का बामनिया, निखिलशीलाजी का थांदला, सुव्रताजी का पेटलावद व कीरण बालाजी का आष्टा चातुर्मास होगा। शेष सतियाजी आपके अधीन रहेगी। किरणबालाजी महासती वृंद आष्टा के लिए विहाररत है जबकि शेष सतियाजी का मिलन पेटलावद हो रहा है, जहाँ से सभी अपने निर्धारित चातुर्मास के लिए विहार करेंगें।

चौकी प्रभारी ने ली शांति समिति की बैठक

माही की गूंज, सारंगी।

चौकी प्रभारी बृजेंद्र सिंग ने आगामी त्यौहारो में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस चौकी परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की। आने वाले सभी त्योहार शांति पूर्वक मनाये जाने के लिए चर्चा की गई। नगर की ट्राफिक व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। बैठक में ग्राम पंचायत सरपंच फूंदी बाई मेडा, नगर के गणमान्य नागरिक, पत्रकार, चौकी प्रभारी एएसआई सिसोदिया एवं पुलिस स्टाफ उपस्थित थे।

यात्रा कर आए भक्तो का किया आत्मीय स्वागत

माही की गूंज, भामल।

चार धाम यात्रा के दर्शन के लिए गए भक्तो का दो माह बात वापस अपने गृह ग्राम में आने पर परिजनो एवं गांव के लोगो द्वारा ढोल ढमाकों के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। ग्रामीणों द्वारा स्वागत की इस बेला में माला व श्री फल भेंट करते हुए, सुखद यात्रा की बधाई दी गई। बताते हैं हिंदू धर्म में चार धाम यात्रा कर व्यक्ति को सुख प्राप्ति के साथ ही सभी भगवान के दर्शन हो जाते हैं। प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में भक्त चार धाम यात्रा के लिए प्रस्थान करते हैं। भामल व खवासा से भी चार धाम यात्रा के लिए इस वर्ष दो माह पूर्व गए यात्री बुधवार को 10 बजे अपने गृह ग्राम भामल व खवासा में पहुंचे जिसमें उनके परिजनों व ग्रामं के लोगो द्वारा स्वागत किया गया। उसके पश्चात पैदल यात्रा करते हुए पंथ्वारी पर पूजन के बाद राम मंदिर पर दर्शन करके वापस अपने घर पहुचे। जिनका तिलक लगाकर परिवार द्वारा गृह प्रवेश करवाया गया।

चार धाम यात्रा हेतु सःपत्निक खवासा से प्रदीप सिसोदिया, राजुबाई सिसोदिया भामल से नाहरसिँह सोलंकी गीतांबाई सोलंकी व रामसिँह जादव गीताबाई जादव आदि यात्री यात्रा कर लोटे।

प्रवेशोत्सवः ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद पहले दिन बच्चों में दिखा उत्साह

माही की गूंज, थांदला।

ग्रीष्मकाल की लंबी छुट्टियों के बाद लगभग सभी निजी व शासकीय विद्यालयों के खुल जाने से बच्चों के चेहरे पर खुशियाँ दिखाई दे रही है। नई क्लास में नए दोस्तों से व अपने टीचर से मुलाकात की ललक बच्चों के चहेरे पर स्पष्ट देखी जा सकती है। थांदला में सीबीएसई स्कूल न्यू हिमालया एकेडमिक ने ब्च्चों के उत्साह को दोगुना करते हुए प्रवेशोत्सव मनाया। इस अवसर पर विद्यालय के निर्देशक सुहैल और अध्यक्ष बुरहान कल्याणपुरावाला की मौजूदगी में संस्था प्राचार्या श्रीमती गीता शर्मा ने सभी बच्चों का स्वागत करते हुए हार्दिक अभिनंदन किया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष बुरहान ने सभी बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक बनकर कड़े परिश्रम से मंजिल अवश्य मिलने की बात कहते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं व्यक्त की व उन्हें स्वागत कार्ड प्रदान किए, जिसे लेने के बाद बच्चों के चेहरे खिल गए। निर्देशक सुहैल ने अपने संदेश में छात्रों को मेहनत और लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या श्रीमती गीता शर्मा ने अपने संबोधन में छात्रों को आगामी सत्र के लिए प्रेरित किया और उनके शैक्षणिक विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। न्यू हिमालय स्कूल में अवकाश के बाद पहले दिन का समारोह बहुत ही उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने मिलकर एक नए सत्र की शुरुआत की।

राष्ट्रीय जयस की वर्किंग कमेटी की बैठक दिल्ली में सम्पन्न, देश भर से शामिल हुए आदिवासी

माही की गूंज, झाबुआ।

बिरसा के संघर्ष और अंबेडकर के संविधान के सिद्धांतों पर चलने वाले जयस की राष्ट्रीय वर्किंग कमेटी की बैठक 17 जून को वाईएमसीए टूरिस्ट हॉस्टल नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। जिसमें कई प्रदेशों से आदिवासी चिंतक शामिल हुए। आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों, पांचवी अनुसूची, पेसा कानून, वनअधिकार अधिनियम सहित आदिवासियों के हक एवं अधिकारों के धरातलीय क्रियान्वयन को लेकर के बैठक संपन्न हुई। जिसमें विशेष कर मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, राजस्थान, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, असम में प्रावधानित पांचवी अनुसूची एवं छठवीं अनुसूची को मूल स्वरूप में लागू करवाने को लेकर प्रत्येक प्रदेशों में चरणबद्ध तरीके से मीटिंग एवं सेमिनार के माध्यम से समाज के वरिष्ठ बुद्धिजीवियों, युवा वर्ग किसान मजदूर एवं महिलाओं शिक्षित बेरोगारो को एकजुट कर आदिवासियों के जल जंगल जमीन एवं जलवायु की सुरक्षा संरक्षण एवं संवर्धन उनकी भाषा बोली परंपराओं एवं रीति रिवाज तथा पूजा पद्धति को पारंपरिक रूप से बनाए रखने, आदिवासियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, कुपोषणा, बेरोजगारी, पलायन एवं विस्थापन जैसी गंभीर समस्याओं को भारत सरकार के समक्ष एवं देश की महामहिम राष्ट्रपति महोदया के समक्ष रख करके उनके समाधान की दिशा में प्रयास करने की दिशा में पहल करने के लिए संकल्प लिया गया। साथ ही वर्तमान में देश एवं दुनिया में घटित होने वाले समसामयिक घटनाक्रमों में आदिवासियों की भूमिका एवं हालातों पर गंभीरता पूर्वक चर्चा की गई। इसी कड़ी में 7 जुलाई को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मध्यप्रदेश जयस की बैठक एवं 25, 26 अगस्त 2024 को पुनः देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जयस राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें देश के समस्त राज्यों से चुनिंदा लोगों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। जय आदिवासी युवा शक्ति की वैचारिक क्रांति जिसने आज पूरे देश के आदिवासियों में उम्मीद की एक नई किरण पैदा कर दी है को हर प्रदेश के प्रत्येक जिला तहसील पंचायत एवं गांव स्तर तक पहुंचाने के लिए संगठन का विस्तार कर संगठनात्मक संरचना की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करने का निर्णय लिया गया ताकि उन लोगों की आवाज भी जयस के माध्यम से सरकार और देश के नागरिकों तक पहुंच सके जिनको अभी तक हाँसिए में रखा गया था। राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रीय वर्किंग कमेटी के बैठक के बाद सम्पूर्ण देश में जयस को मजबूत करने पर बल मिलेगा। जयस आज समस्त वर्गों के लिए एकलौते उम्मीद के रूप में देश भर में उभर कर आया है और उसी कड़ी में निकट भविष्य में राष्ट्रीय कार्यकारिणी का विस्तार तथा समस्त प्रदेशों की जयस कार्यकारिणीयों के पुनर्गठन एवं विस्तार करने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में जयस राष्ट्रीय संरक्षक डॉक्टर हीरालाल अलावा एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता जयस बाबूसिंह डामोर, गंगाराम गगराई, अलोके मिचायारी झारखंड, आनन्द मेश्राम एवं विपिन कुमार कावड़े, तेलंगाना, राजन कुमार, उत्तरप्रदेश, हितेश राणा गुजरात, राणजीतसिंह डामोर, विजय डामोर, राजेंद्र पवार, श्रीमती सोनू रावत सहित पांचवी अनुसूची से अनुचित समस्त राज्यों के प्रतिनिधि मौजूद थे। संचालन बाबुसिंह डामोर द्वारा एवं आभार प्रकट गंगाराम गगराई द्वारा किया गया।

संपादकीय

हादसों से हम क्या सीखे...

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जनपद में कंचनजंगा एक्सप्रेस को मालगाड़ी द्वारा पीछे से टक्कर मारे जाने से हुई क्षति बताती है कि बीते वर्ष ओडिशा में कोरोमंडल एक्सप्रेस के भीषण हादसे से हमने कोई सबक नहीं सीखा। कंचनजंगा एक्सप्रेस

हादसे में मरने वालों की संख्या ग्यारह बतायी जा रही है और चालीस से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि, बीते वर्ष रेलवे इतिहास की बड़ी दुर्घटनाओं में शामिल कोरोमंडल एक्सप्रेस और दो अन्य ट्रेनों में हुई टक्कर में 290 से अधिक लोगों की जान चली गई थीं। उल्लेखनीय है कि कंचनजंगा ट्रेन हादसे में मरने वालों में मालगाड़ी के चालक व सहचालक भी शामिल हैं। हालांकि दुर्घटना का वास्तविक कारण जांच के बाद ही पता चल पाएगा, लेकिन बताया जा रहा है कि रानीपतरा रेलवे स्टेशन व छत्तर हाट जंक्शन के बीच स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली दुर्घटना से तीन घंटे पहले से ही खराब थी। हमेशा की तरह मृतकों के परिजनों को दस-दस लाख का मुआवजा देने की घोषणा हुई है। साथ ही दुर्घटना की वजह तलाशने और जवाबदेही तय करने की बात कही जा रही है। पहले उम्मीद जगी थी कि बालासोर त्रासदी से सबक लेकर रेल दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में कारगर कदम उठाए जाएंगे, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बदलते नजर नहीं आ रहे हैं। रेलवे तंत्र में कोताही का नमूना इस साल फरवरी में देखने को मिला था जब कटुआ से दासुया (पंजाब) के बीच लगभग सत्तर किलोमीटर दूरी तक एक मालगाड़ी बिना चालक के चली गई थी। सौभाग्य की बात है कि इस ट्रैक पर किसी रेल के न आने से दुर्घटना टल गई थी। बहरहाल, कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना के बाद राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है। बढ़-चढ़कर बताया जा रहा है कि सत्ता व विपक्ष में से किसके कार्यकाल में ज्यादा रेल दुर्घटनाएं हुईं। बहरहाल, रेल दुर्घटनाएं रोकने के लिये बनायी गई टक्कर रोधी तकनीक के क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठने लगे हैं। कहा जा रहा कि व्यस्त पूर्वोत्तर मार्ग पर यदि इसका क्रियान्वयन होता तो शायद इस दुर्घटना को टाला जा सकता था।

सवाल यह है कि, रेल मंत्रालय मानवीय भूल के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को टालने के लिए गंभीर पहल क्यों नहीं करता। क्यों रेल दुर्घटनाएं रोकना सत्ताधीशों की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं होता? जिस ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली 'कवच' को चरणबद्ध तरीके से जल्दी से लागू किया जाना चाहिए था, उस पर कछुआ गति से काम क्यों हो रहा है? एक ओर देश में बुलेट ट्रेन और तेज गति से चलने वाली अन्य ट्रेनों की बात की जा रही है, वहीं सामान्य गति से चलने वाली ट्रेनों को भी दुर्घटनाओं से निरापद बनाने में हम विफल साबित हो रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि देश में फास्ट ट्रेनों की चकाचौंध व ग्लैमर के बजाय सामान्य गति की ट्रेनों की सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। वहीं विपक्ष का आरोप है कि रेलवे में रिक्त पड़े लाखों पदों को नहीं भरा जा रहा है, जिससे रेलवे बढ़ती आबादी के दबाव में सुरक्षित रेल सेवा उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। आखिर हम इन रेल हादसों से सबक कब लेंगे? निस्संदेह, रेल यातायात को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये बुनियादी ढांचे में सुधार व अधिक निवेश की जरूरत है। हम अतीत के हादसों से सबक लेकर परिचालन व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करें। हादसों की जवाबदेही तय हो ताकि दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। वक्त की जरूरत है कि दुर्घटनाओं को टालने के लिये, जितना जल्दी हो सके अधिक दबाव वाले इलाकों में 'कवच' योजना को क्रियान्वित किया जाए। इसके अलावा पटरियों के रख-रखाव के लिये आवंटित फंड का उचित उपयोग किया जाए। साथ ही बुनियादी ढांचे में सुधार, दुर्घटना टालने को आधुनिक तकनीकों का उपयोग तथा नई चुनौतियों से मुकाबले के लिये रेलवे कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की भी जरूरत है। यह भी कि रेलवे के आधुनिकीकरण के लिये वित्तीय संसाधन जुटाए जाएं ताकि यह न कहा जा सके कि असुरक्षित पटरियों पर लचर संचालन प्रणाली दुर्घटनाओं की वजह बन रही है। दुर्घटनाओं का सिलसिला तभी थमेगा जब यात्रियों की सुरक्षा रेल मंत्रालय व सरकार की प्राथमिकता बनेगी।

खनिज दोहन हेतु रूस-चीन ने बदली तालिबान नीति

वर्ष 2022 में अफ़ग़ान अमीरात सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने जब पहली बार सेंट पीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मंच का दौरा किया, तो यह चर्चा का विषय था कि पुतिन क्या फिर से ग्रेट गेम खेलना चाहते हैं? हालांकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आदतन कोई बात सीधे तौर पर स्वीकार नहीं करते, लेकिन उन्होंने कहा कि इस्लामिक अमीरात के साथ संबंध बनाने के लिए यह क़दम ज़रूरी था। मार्च, 2022 में, रूस-अफ़ग़ानिस्तान ने आधिकारिक राजनयिक संबंध स्थापित किए। कजाकिस्तान 2023 में तालिबान को आतंकवादी संगठनों की सूची से हटाने वाला पहला देश था। विशेषज्ञों का मानना है कि मास्को के इशारे पर ऐसा कुछ हुआ था।

रूस के खेल से पश्चिमी देश अबूझ हों, यह ग़लतफहमी कोई नहीं पालता। इसकी काट के वास्ते संयुक्त अरब अमीरात को हर समय आगे रखा जाता है। मई, 2023 में अफगानिस्तान पर पहली दोहा बैठक हुई थी, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने की। लेकिन 18-19 फरवरी, 2024 को दूसरी दोहा बैठक में इस्लामिक अमीरात शर्तें पूरी न होने के कारण शामिल नहीं हुआ। जिसके लिए बैठक हो, और वही अनुपस्थित रहे, तो दोहा-टू का मज़ाक बनना स्वाभाविक था। अब, तीसरी बैठक 30 जून और 1 जुलाई, 2024 को निर्धारित है।

पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक मामलों के अवर महासचिव रोजमेरी डिकार्लो, कतर के उपविदेश मंत्री, इस्लामिक सहयोग संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल और यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि थॉमस निकलसन ने काबुल का दौरा किया था। इससे पहले सुरक्षा परिषद के अनुरोध पर 25 अप्रैल, 2024 को, संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने स्वतंत्र मूल्यांकन करने के लिए तुर्की के राजनयिक फरीदुन सिनिरिलियोग्लू को विशेष समन्वयक नियुक्त किया था। लेकिन फरीदुन सिनिरिलियोग्लू ने जो मसौदे दोहा-3 बैठक के लिए तैयार किये, उसमें काफ़ी रद्दोबदल किये जा चुके हैं। यह सब होने के बाद ही अमीरात के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने तीसरी दोहा बैठक में अंतरिम सरकार के प्रतिनिधिमंडल की भागीदारी की घोषणा की है। दोहा-3 बैठक में अमीरात के विदेश मंत्री वित्तीय, बैंकिंग, ड्रग नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन के मुद्दों पर विमर्श के लिए सहमत हैं। अब सवाल यह है कि क्या पश्चिमी देश मान लेंगे कि अफ़ग़ान औरतों को शिक्षा-रोज़गार से दूर रखने का जो जघन्य कर्म अमीरात ने किया, मानवाधिकारों का दमन किया, वो सही है?

रूस ने भी अमीरात पर औरतों के हक़ को लेकर शायद ही कभी दबाव बनाया हो। इस्लामिक अमीरात अक्सर रूसी सुरक्षा सम्मेलनों में साझेदार बना है। 8 फरवरी, 2023 को भारत, ईरान, किर्गिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों (एनएसए) ने अफगानिस्तान पर पांचवें बहुपक्षीय सुरक्षा वार्ता के लिए मास्को में मुलाकात की। इसके प्रकारांतर सितंबर, 2023 में चीन, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान के विशेष प्रतिनिधियों को जुटाकर 'अफ़ग़ानिस्तान पर मास्को प्रारूप परामर्श' की पांचवीं बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेशमंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने भी भाग लिया था। इतना ही नहीं, रूस-चीन की पहल पर शंघाई कोऑपरेशन आर्गेनाइजेशन संपर्क समूह में भी अफ़ग़ानिस्तान को लाने के प्रयास किये गये।

यह रोचक है कि 29 जनवरी, 2024 को तालिबान प्रशासन ने काबुल में 'अफ़ग़ानिस्तान क्षेत्रीय सहयोग पहल' नामक पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक की मेज़बानी की, जिसमें रूस, चीन, ईरान, पाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, इंडोनेशिया और भारत सहित यूरेशियन क्षेत्र के 11 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। ऐसे में कैसे कह सकते हैं, कि अमीरात शासन को 'आइसोलेट' कर दिया गया?

बर्लिन स्थित काउंटर एक्सट्रीमिज्म प्रोजेक्ट (सीईपी) के मध्य-पूर्व विशेषज्ञ, हैंस जैकब शिंडलर का मानना है कि रूस का विदेश मंत्रालय तालिबान को आतंकवादी समूह की सूची से हटाने के बदले में काफी-कुछ उम्मीद कर सकता है। लेकिन ऐसा कहना आसान है, करना मुश्किल। शिंडलर ने कहा, 'तालिबान हमेशा रियायतें स्वीकार करने के लिए इच्छुक होते हैं, लेकिन जब उन्हें बदले में देने की बात आती है, तो उनके लिए चीजें जटिल हो जाती हैं।' अफगानिस्तान एनालिस्ट नेटवर्क के सह-संस्थापक थॉमस रुटिग ने भी क्रेमलिन के हालिया प्रयासों को मल्टी टास्क रणनीति के रूप में व्याख्यायित किया, जो इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता देने की दिशा में बढ़ रही है।

शिंडलर और रुटिग दोनों इस बात पर सहमत हैं कि तालिबान को आतंकवादी संगठन के रूप में सूची से हटाने के बाद अगला कदम उसे वैध राज्य शक्ति के रूप में आधिकारिक मान्यता देना हो सकता है। दोनों की बात कुछ हद तक सही है। ऐसी कवायद दोहा से मास्को तक चल रही है। थोड़ी देर के लिए हम यदि इसे तालिबान नीति की सफ़लता मान भी लें, तो आने वाले समय के लिए यह सुखद संदेश नहीं देता है। तालिबान पहले 1996 और 2001 के बीच अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज़ थे। दो दशक बाद, तालिबान की वापसी का मतलब, इस्लामी कानून की संकीर्ण व्याख्या की बहाली भी रही है। यदि मल्टीपोलर वर्ल्ड अपने कूटनीतिक स्वार्थों की वजह से मानवाधिकारों का हनन, विशेष रूप से महिलाओं-बच्चियों पर व्यापक प्रतिबंध को भी स्वीकार करता है, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है। क्या भारत को भी अमीरात इसी रूप में सुहाता है?

तालिबान प्रतिबंधित है, दूसरी ओर सेंट पीटर्सबर्ग इकोनॉमिक फोरम में वह आमंत्रित भी है। रूसी अधिकारियों के अनुसार, 'पिछले साल दोनों देशों के बीच व्यापार में पांच गुना वृद्धि हुई और यह एक अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है।' चीन भी 2023-24 में डेढ़ अरब डॉलर एक्सपोर्ट के साथ अफ़ग़ानिस्तान में खनिजों का दोहन करता है, तो उसे मान्यता देने न देने का मतलब क्या रह जाता है? यह तो समझ में आ चुका है कि तालिबान से संबंधों को सुदृढ़ करना, चीनी-रूसी विदेश नीति का हिस्सा है।

पुष्परंजन

खनिजों से समृद्ध अफगानिस्तान सबके लिए प्रासंगिक है, जिसका दोहन तभी किया जा सकता है, जब इस देश में शांति लाई जाए, और अधोसंरचना, फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क से लैस किया जाए। मॉस्को, अफगानिस्तान के इन्फ्रा में दिलचस्पी ले, उससे पहले संयुक्त अरब अमीरात वहां अपनी गहरी पैठ बना चुका है। यूएई में तीन लाख से ज़्यादा अफगान रहते हैं। इन दिनों अफ़ग़ानिस्तान को संवारने में यूएई सबसे आगे है। यूएई में अफगान व्यापार परिषद के प्रमुख हाजी ओबैदुल्ला सदर खैल बताते हैं कि अमीराती मुल्क में 200 अस्पताल बनाने, राजमार्ग निर्माण, स्कूली किताबें प्रकाशित करने, अफीम की फसल की जगह केसर उत्पादन में सुधार करने और कालीन उद्योग विकसित करने के लिए हम निरंतर काम कर रहे हैं। लेकिन कड़वा सच यह भी है कि अफ़ग़ानिस्तान में खनिज दोहन की प्रतिस्पर्धा ने दुनियाभर के ताक़तवर देशों को कम्प्रोमाइज़ के कगार पर ला खड़ा किया है।

धरे रह गए केदारनाथ आपदा के सबक

केदारनाथ आपदा को गुजरे हुये 11 वर्ष हो गये मगर उस विभीषिका के घाव अब तक नहीं भर पाये। उस त्रासदी में न जाने कितने लोग मरे होंगे, इसका सटीक अनुमान नहीं लग सका। मगर राज्य पुलिस द्वारा मानवाधिकार आयोग को सौंपे गयी रिपोर्ट में इस आपदा में पूरे 6182 लोग लापता बताये गये। जिन साधुओं का पूछने वाला कोई नहीं तथा देश के सुदूर हिस्सों से आये गरीब यात्रियों का कोई रिकार्ड ही नहीं था। अगर हमने केदारनाथ आपदा से कोई सबक सीखा होता तो 7 फरवरी, 2021 को सीमान्त चमोली जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र में धौलीगंगा और ऋषिगंगा की बाढ़ की तबाही नहीं होती। उस त्रासदी में कम से कम 206 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई। ऋषिगंगा पर 13.2 मेगावाट और धौलीगंगा पर 520 मेगावाट के बिजली प्रोजक्ट नहीं बन रहे होते तो इन नदियों की बाढ़ उतनी विनाशकारी नहीं होती।

जयसिंह रावत

लगता है हमारे योजनाकार और नीति-नियंता न तो केदारनाथ की और न ही धौलीगंगा की बाढ़ की विभीषिका से कोई सबक सीख सके। विकास के नाम पर पारिस्थितिकी से बेतहाशा छेड़छाड़ सम्पूर्ण हिमालय के साथ हो रही है, जिसका अंजाम हम पिछले साल हिमाचल प्रदेश में भी देख चुके हैं।

भारतीय भूगर्भ विभाग के तत्कालीन निदेशक सहित महेन्द्र प्रताप सिंह बिष्ट आदि भूवैज्ञानिकों ने रामबाड़ा से ऊपर किसी भी हाल में भारी निर्माण कार्यों पर रोक लगाने की सिफारिश के साथ कहा था कि केदारनाथ धाम किसी ठोस जमीन पर न होकर मलबे के ऊपर स्थापित है, जो कि भारी निर्माण को सहन नहीं कर सकता। इधर विशेषज्ञों की चेतावनियों के बावजूद सौंदर्यीकरण के नाम पर बड़े इलाके को खोद दिया गया। इस खुदाई के कारण बदरीनाथ की ज्रोम धारा जैसी कुछ पवित्र धाराएं लुप्त हो गयीं।

उत्तराखंड के चारों धामों में यात्रियों की भीड़ पिछले रिकार्ड तोड़ती जा रही है। इस साल 16 जून तक चारों धामों में 23 लाख 54 हजार 440 यात्री पहुंच चुके थे। जबकि सन्? 2000 तक पूरे छह महीनों में इससे बहुत कम यात्री आते थे। इन तीर्थों तक मोटर सड़क बनने से पहले मात्र 60-70 हजार यात्री ही पहुंच पाते थे। खास बात यह है कि यात्रियों का सैलाब बदरीनाथ से ज्यादा केदारनाथ में उमड़ रहा है। जबकि केदारनाथ के लिये 21 किमी लम्बी पैदल यात्रा है और बदरीनाथ सीधे वाहन से जाया जाता है।

पद्मभूषण चण्डी प्रसाद भट्ट आदि विशेषज्ञों के अनुसार हिमालयी तीर्थों पर उनकी धारक क्षमता से इतनी अधिक भीड़ विनाशकारी ही हो सकती है। चिन्ता का विषय तो यह है कि लाखों वाहन सीधे गंगोत्री और सतोपन्थ ग्लेशियर समूहों के पास तक पहुंच रहे हैं। जिससे इन ग्लेशियरों के पिघलने की गति बढ़ने और हिमालय पर हिमनद झीलों की संख्या और आकार बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है। सन्? 2013 की बाढ़ में चोराबाड़ी झील ही केदारनाथ पर टूट पड़ी थी। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार इस साल 16 जून तक मात्र एक माह और 6 दिन में 2,58,957 वाहन बदरीनाथ, गंगोत्री, केदारनाथ तथा यमुनोत्री के निकट पहुंच चुके थे।

केदारनाथ आपदा के कारणों का पता लगाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) की टीमों ने स्वयं दो बार आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने के साथ ही रिमोट सेंसिंग, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियॉलाजी, राज्य आपदा न्यूनीकरण केन्द्र और भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग जैसी विभिन्न विशेषज्ञ एजेंसियों के सहयोग से तीन खंडों में अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। जिसमें 19 सिफारिशें और चेतावनियां दी गयीं थीं। इसमें जलविद्युत परियोजनाओं से स्थानीय समुदाय को त्वरित बाढ़, जमीन धंसने, जलस्रोत सूखने और जनजीवन प्रभावित होने के साथ ही वन्य जीवन और पर्यावरण दूषित होने की शिकायतें भी रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया था कि उत्तराखंड जैसे संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं के लिये पर्यावरण प्रभाव आंकलन बाध्यकारी होना चाहिए। इन परियोजनाओं की विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में सुरंगों तथा अन्य क्षेत्रों से पहाड़ काट कर निकले मलबे के निस्तारण का भी स्पष्ट प्लान होना चाहिए। क्योंकि इस मलबे से नदी में त्वरित बाढ़ आने के साथ ही नदी की दिशा भटक जाती है जो कि भूस्खलनों को भी जन्म देती हैं। रिपोर्ट में कहा गया था कि केदारनाथ की बाढ़ में श्रीनगर में 330 मेगावाट की परियोजना और चमोली जिले में 400 मेगावाट की विष्णुप्रयाग परियोजनाओं के मलबे ने बाढ़ की विभीषिका को कई गुना बढ़ाया है।

इसरो द्वारा गत वर्ष जारी देश के 147 संवेदनशील जिलों के भूस्खलन मानचित्र में उत्तराखंड का रुद्रप्रयाग जिला संवेदनशीलता की दृष्टि से एक नम्बर पर तथा टिहरी दूसरे नम्बर पर दिखाया गया है। प्रदेश के सभी 13 जिले संवेदनशील बताये गये हैं। लेकिन इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। एनआईडीएम की रिपोर्ट में भूस्खलन जोन मैपिंग का प्राथमिकता के आधार पर पालन, निर्माण कार्यों में विस्फोटों के प्रयोग पर रोक, सड़क निर्माण में वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग, ढलानों के स्थिरीकरण के ठोस प्रयास, ग्लेशियल लेक तथा नदी प्रवाह निगरानी का ठोस ढांचा तैयार करने की सिफारिश भी की गयी थी।

'काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायर्नमेंट एण्ड वाटर' (सीईईडब्ल्यू) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में 1970 की अलकनन्दा बाढ़ के बाद त्वरित बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, हिमनद झीलों के फटने और बिजली गिरने आदि आपदाओं में चार गुना वृद्धि हो गयी है। इन आपदाओं के खतरे में राज्य के 85 प्रतिशत जिलों की 90 लाख से अधिक आबादी आ गयी है।

महज सियासी मजबूरी से न हो अग्निवीर योजना पर पुनर्विचार

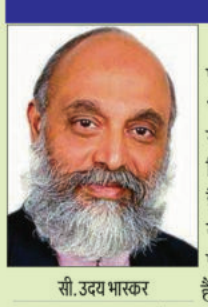

सी.उदय भास्कर

आम चुनाव-2024 का परिभाषित परिणाम यह है कि भारत का राजकाज सही मायने में गठबंधन सरकार चलाएगी, जिसमें भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है, जो दो मुख्य सहयोगियों, जनता दल यूनाइटेड और तेलुगू देशम पार्टी के नाजुक समर्थन पर टिकी है। अतएव, मोदी सरकार-3 में शासन का स्वरूप और अवयव पिछले एक दशक में देखे गए रंग-ढंग जैसा न होगा।

राष्ट्रीय सुरक्षा-सैन्य ढांचे के मामले में बदलाव लाने की मांग पहले ही सामने आ चुकी है। जनता दल (यू) ने कहा है कि मोदी सरकार-2 में लागू की गई विवादित अग्निपथ योजना को पुनर्समीक्षा की जरूरत है। इस योजना के तहत सेना में फौजी (अग्निवीर) की भर्ती, छह महीने के प्रशिक्षण सत्र के बाद, चार साल के लिए होती है, इसके सेवा-नियम पूर्व में लागू पेंशन एवं संबंधित लाभों से एकदम अलग हैं, जो विगत में अफसर से निचले स्तर के फौजियों को 15 साल के सेवाकाल के बाद मिला करते थे। शपथ समारोह से पूर्व जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी का बयान आया 'अग्निपथ योजना को लेकर कुछ तबकों में रोष है। हमारी पार्टी चाहती है कि इसमें व्याप्त खामियों को दूर किया जाए'। जब वर्ष 2022 के मध्य में यह योजना लागू की गई थी, तब पेशेवर हलकों में इस बात को लेकर काफी नुक्ताचीनी हुई थी कि यह प्रधानमंत्री कार्यालय का शायद एकतरफा निर्णय है। नई योजना के सूक्ष्म बिंदुओं पर न तो सेना के आला अफसरों से सलाह-मशविरा किया गया, न ही सांसदों के बीच इस पर विस्तृत विमर्श हुआ। दिसंबर, 2019 से अप्रैल, 2022 तक सेनाध्यक्ष रहे जनरल एमएम नरवणे ने विमोचन की प्रतीक्षा कर रही अपनी किताब में अग्निपथ बाबत मूल्यवान जानकारी दी है। वे कहते हैं कि उन्होंने तो थल सेना में अल्प-कालिक भर्ती के लिए 'टूअर-ऑफ-ड्यूटी' नामक एक प्रयोगात्मक योजना का प्रारूप सुझाया था लेकिन 2022 में प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी नीति एकदम अलग स्वरूप वाली थी और इसको सेना के तीनों अंगों पर लागू कर दिया गया। यह भी कहा-'हम थल सेना वालों को तो घटनाक्रम में आए इस मोड़ से सिर्फ हैरानी ही हुई, लेकिन नौसेना एवं वायु सेना के लिए तो यह अचानक चौंकाने वाली बात थी'।

नियमानुसार चलने वाले लोकतंत्र की रिवायतों का तकाजा है कि यदि देश का राजनीतिक नेतृत्व कोई नीति संबंधी निर्णय लेता है तो सेना के सर्वोच्च अधिकारियों को उसका पालन करना पड़ता है, अग्निपथ योजना में यही हुआ। हालांकि इसकी पृष्ठभूमि में, प्रमाणित है कि मोदी सरकार-2 का यह फैसला मुख्यतः बजटीय कारणों को ध्यान रखकर लिया गया (पेंशन मद बचाना), और इसका असर सेना की लड़ाकू-दक्षता पर कितना होगा, इस पर विचार गौण था।

अग्निपथ योजना सम्मिलित राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए दीर्घकाल में कितनी फायदेमंद रही, इसका अंदाजा एक दशक या उसके बाद ही हो पाएगा। जदयू की मांग ने अब किया यह है कि राजनीतिक मजबूरी ने सैन्य-व्यय पर पुनर्विचार करना आवश्यक बना डाला है। गठबंधन सरकार का एक भागीदार भाजपा को इस नीति की पुनर्समीक्षा करने को मजबूर कर रहा है, परंतु इसके पीछे वजह व्यावसायिक पहलू न होकर राजनीतिक है। यह तो बिहार में फौजी बनने के चाहवान युवाओं के बड़े वर्ग के गुस्से और हताशा को शांत करने के वास्ते है, क्योंकि अग्निपथ योजना फौजी वर्दी धारण करने का मौका उनसे छीनने के अलावा सरकारी पेंशन रूपी आर्थिक सुरक्षा से भी वंचित कर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले चले प्रचार में, कांग्रेस और सपा के नेतृत्व में विपक्षी दलों ने नई सैनिक भर्ती योजना पर अपने एतराज खुलकर जाहिर किए।

यह वांछित घटनाक्रम नहीं है, जिसमें महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सुरक्षा निर्णय और नीतियां लागू होने बाद उनपर बहस करनी पड़े। इससे बचा जा सकता था यदि अपने दूसरे कार्यकाल में अग्निपथ योजना की घोषणा करने से पहले प्रधानमंत्री मोदी सदन के अंदर और सेना के आला अधिकारियों से विचार-विमर्श करने की जहमत उठा लेते। इसमें कोई शक नहीं कि भारतीय सेना और उच्च रक्षा प्रबंधकीय ढांचे में नीतियों की समीक्षा और तंत्र का पुनर्निर्माण करने की जरूरत बहुत ज्यादा है। मोदी सरकार-1 में चार रक्षा मंत्री रहे और जो एकमात्र बड़ा निर्णय लिया गया वह था, नवम्बर 2015 में वन रैंक-वन पेंशन को मंजूरी देना और इसका स्वागत भी हुआ। मोदी सरकार-2 (2019-24) में,प्रधानमंत्री ने कुछ साहसिक किंतु एकदम अलग निर्णय लिए, मसलन, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) पद और डिपार्टमेंट ऑफ मिलिट्री अफेयर्स (डीएमए) का सृजन। अलबत्ता पांच साल बाद भी, इस सिलसिले में विभागीय पुनर्गठन का काम अधूरा है।

लोकतांत्रिक स्वरूप वाली सरकारें वक्त के साथ अपनी नीतियों के सांचे में क्रमिक सुधार करती रहती हैं। भारत के मामले में, प्रत्येक प्रधानमंत्री दृ नेहरू और उनके बाद आने वाले दृ प्रधानमंत्री कार्यालय को और अधिक शक्तिशाली करते गए। लेकिन रिवायत रही कि संसद के भीतर, व विशेषकर विषय संबंधित संसदीय कमेटियों से सलाह-मशविरा किए जाने ने पारदर्शिता लाने और उद्देश्यपूर्ण समीक्षा एवं सर्वसम्मति की अनुमति के लिए मूल्यवान भूमिका निभाई।

लेकिन मोदी शासन की कार्यशैली में इस तरीके को तरजीह नहीं रही। अतएव, चाहे यह अग्निपथ योजना हो या किसी सेवानिवृत्त थ्री-स्टार जनरल को फोर-स्टार सीडीएस पद पर बैठाना, सब फैसले प्रधानमंत्री कार्यालय में मनमाफिक लिए गए। राष्ट्रीय सुरक्षा और सेना के गैर-राजनीतिक चरित्र के मामले में यह कृत्य दीर्घ-काल में अच्छा सिद्ध नहीं होगा। घरेलू राजनीति की जरूरतों को मुख्य रखना और अल्प-कालीन राजनीतिक फायदे आंतरिक रक्षा मामलों को स्वरूप देते रहे। मणिपुर की त्रासदी इसकी एक बानगी है। एक शक्तिशाली प्रधानमंत्री बहक कर गंभीर नीतिगत गलती कर सकता है, ऐसी जो राष्ट्रीय सुरक्षा को फिर से ठीक न किए जा सकने वाला नुकसान पहुंचा दे, यहां नेहरू-कृष्ण मेनन की भारी भूल एक चेतावनी है। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में अत्यंत जरूरी है कि जल्दबाजी में फैसला लेने से बचा जाए और पहले सदन और संबंधित कमेटियों में इनपर यथेष्ट विचार-विमर्श हो।

अब जबकि मोदी सरकार-3 का कार्यकाल शुरू हुआ है, यह सही होगा कि सांसदों और विषय विशेषज्ञों को पिछले दस सालों के दौरान किए गए बड़े बदलावों की उद्देश्यपूर्ण समीक्षा की अनुमति हो और भारत की समग्र सैन्य क्षमताओं की मौजूदा स्थिति के मद्देनज़र आकलन किया जाए। बीसी खंडूरी संसदीय कमेटी रिपोर्ट-2017 में सेना की साजो-सामान संबंधी जिन कमियों को गिनाया गया था, उन पर ध्यान देना अच्छी शुरुआत बन सकता है। अग्निपथ योजना के अलावा, आत्मनिर्भरता बनाकर आयात घटाने पर ध्यान देना एक अन्य प्रमुख आवश्यकता है। इस प्रकार की पुनर्समीक्षाओं के लिए जरूरी नहीं कि कोई राजनीतिक मंशा या गलवान झड़प-2020 जैसी झकझोर देने वाली घटना कारक बने, बल्कि यह करना व्यवस्था का स्थाई अंग हो।

मोदी सरकार-3 के लिए शीघ्रतम काम है जून के मध्य से पहले नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति करना। उम्मीद करें कि संस्थागत सार्वभौमिकता और ईमानदारी का पोषण करने वाले जांचे-परखे सिद्धांतों पर राजनीति हावी नहीं की होगी।

भ्रष्ट कर्मचारी पैसा कमाने में मस्त, जनता पानी की बूंद-बूंद के लिए त्रस्त...

माही की गूंज, शुजालपुर।

पानी की कमी जैसी आपदा के समय पैसा कमाने का अवसर ढूंढते हुए एक भ्रष्ट कर्मचारी शहर की जनता को पानी की एक बूंद-बूंद के लिए तरसा रहा है और भ्रष्ट पैसा कमाने में मस्त है। मामला नगर परिषद शुजालपुर का है जहां बिना विज्ञप्ति जारी करे ही पानी की टंकी की खरीदारी कर एक बार फिर से लाखों रुपए कमाने का अवसर नगर परिषद ने हासिल किया है। शहर में जल संकट का फायदा उठाकर अपनी जेब भरने का काम नगर परिषद सीएमओ पवन अवस्थी के सानिध्य में किया जा रहा है।

नगर में जल संकट के लिए नगर परिषद शुजालपुर जिम्मेदार है। जलप्रदाय शाखा में लगे लाखों रुपए के फर्जी बिल जांच का विषय बने हुए है। नगर परिषद शुजालपुर की घोर लापरवाही से नगर में जल संकट विराट रूप लेकर खड़ा है। नगर परिषद समय रहते वामनघाट डैम की देखरेख कर लेती तो शहर में जल संकट नहीं आता। असल में नगर परिषद में भंडार एवं क्रय अधिनियम द्वारा जो मध्य प्रदेश शासन द्वारा रेट निर्धारित किए गए हैं उन रेट को ताक में रखकर मोटर पंप, पानी की टंकी, पाइप के फर्जी बिल लगाकर जनता के टैक्स के पैसों में लूट मचा रखी है। नई परिषद बनने के बाद से आज तक जल शाखा के भुगतान किए हुए बिल की नोट शीट की जांच की जाए, क्योंकि जो सामान खरीदा गया है उसमें बहुत से सामान की स्टोर शाखा में एंट्री नहीं है और सीधे नोटशीट चलाकर भुगतान कर दिया गया है। नेवज नदी से वाटर वर्क्स तक पाइपलाइन गाड़ी थी पाइव लाइन वर्तमान में लोग उखाड़ कर ले गए। नगर परिषद द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई और चोरों को संरक्षण दिया गया। विश्रामगृह में कुआं स्थित है जिसमें बहुत पानी है परंतु नगर परिषद द्वारा उक्त कुएं में मोटर डालकर पानी सप्लाई नहीं किया जा रहा है सिर्फ और सिर्फ जल संकट का बहाना लेकर शुजालपुर की जनता की आंखों में धूल झोंकी जा रही है।

माँ की हत्या कर कब्र पर गद्दा बिछाकर बेटे ने दोस्त संग की पार्टी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

एक युवक ने दोस्त के साथ मिलकर माँ की हत्या कर दी और शव को घर में ही दफन कर दिया। क्रब पर गद्दा डाला, उसी पर बैठकर तीन दिन तक दोस्त के साथ शराब पार्टी करता रहा। दुर्गंध फैली तो घर बंद कर ननिहाल चला गया। तीन दिन बाद वह सिर मुंडवाकर वापस लौटा। सास के नजर नहीं आने पर दामाद को अनहोनी का शक हुआ। सूचना पर पुलिस ने मंगलवार को आरोपी और उसके दोस्त को गिरफ्तार कर लिया।

मामला भानपुरा का है। पुलिस के अनुसार कचहरी चौक निवासी कमलेश (35) पुत्र कन्हैयालाल धोबी ने अपने दोस्त संतोष (50) पुत्र बसंतीलाल धोबी के साथ 12 जून को भानपुरा के

बड़ा महादेव रोड पर दिनभर शराब पार्टी की थी। रात 10 बजे वह दोस्त के साथ नशे में धुत होकर घर पहुंचा। आरोपी ने माँ से कहा- जल्दी से खाना परोस दे। नशे में धुत बेटे को देखकर माँ गंगाबाई नाराज हो गई। उसने गुस्से में बेटे को थप्पड़ मार दिया। माँ का थप्पड़ पड़ा तो बेटा आगबबूला हो गया। उसने दोस्त के साथ मिलकर माँ को पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में गंगाबाई का सिर पत्थर से टकरा गया। वह जमीन पर गिर गई और खून से लथपथ काफी देर तक तड़पती रही। इसके बाद उसकी मौत हो गई। आरोपी का इतने पर भी दिल नहीं पसीजा, उसने दोस्त की मदद से घर में सेप्टिक टैंक के लिए खोदे गए गड्ढे में माँ की लाश को उठाकर दफन किया और ऊपर से रेत डाल दी, फिर गद्दा बिछा दिया।

गंगाबाई की लाश को ठिकाने लगाने के बाद दोस्त अपने घर चला गया, जबकि बेरहम बेटा कब्र के ऊपर ही सो गया। तीन दिनों तक दोनों कब्र के ऊपर बैठकर शराब पार्टी करते रहे। बदबू आने लगी तो आरोपी बेटा राजस्थान के पगारिया गांव स्थित अपने ननिहाल भाग गया।

सरकारी स्कूल में बन रहा था नॉनवेज, प्रवेशोत्सव में शामिल होने आए बच्चे घर लौटे

माही की गूंज, शाजापुर।

नए शिक्षा सत्र की शुरुआत में मंगलवार को सभी स्कूलों में बच्चों का तिलक और माला पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं जिले के ग्राम जादमी के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में स्कूल आए छात्रों को लौटना पड़ा, क्योंकि यहां स्कूल परिवार में नॉनवेज पक रहा था।

सरपंच का लिया नाम

स्कूल पहुंची महिला टीचर का कहना है कि, सरपंच के कहने पर यहां कुछ लोग रुके थे। उनके लिए नॉनवेज बन रहा था। स्कूल का पहला दिन होने से सुबह आंगनवाड़ी वाले बच्चे आ गए थे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मंजू शर्मा ने बताया कि, वह सुबह 10 बजे स्कूल पहुंची थीं। यहां पर परिसर में खाना बनाया जा रहा था।पूछने पर पता चला कि यहां नॉनवेज पक रहा है। हम स्वागत करने वाले थे, लेकिन नॉनवेज पकने के कारण यहां पर खड़े रहना मुश्किल हो रहा था। इस कारण कुछ देर बाद परिजन अपने बच्चों के लेकर चले गए।

घटनाक्रम का ग्रामीणों ने बनाया वीडियो

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायक शिक्षक नंदराम बैरागी ने बताया कि, सरपंच के कहने पर परिवार यहां रुका था। यह शासकीय प्राथमिक स्कूल है। यहीं पर आंगनबाड़ी भी संचालित होती है।

जब बच्चों के घर लौटने के बाद इसकी जानकारी ग्रामीणों को लगी तो वे तत्काल स्कूल पहुंचे। इस पूरे घटनाक्रम का ग्रामीणों वीडियो बना लिया और उसे संबंधित अधिकारी को भेज दिया।

उन्होंने इसका विरोध किया तो फिर नॉनवेज को वहां से हटाया गया। वहीं, मामले में सरपंच रतनलाल ने बताया कि मैंने रहने के लिए मौखिक परमिशन दी थी। मुझे नहीं पता वहां क्या बनाया जा रहा है।

नॉनवेज पकाने वाले ने कही ये बात

शिक्षकों ने बताया हमारी ओर से किसी को रहने की परमिशन नहीं दी गई थी। जब हमने पूछा तो बताया कि बाटी और सब्जी बन रही है। इस बारे में नॉनवेज पका रहे पीर खां ने कहा कि हमारे घर का काम चल रहा है, यहां पर जगह खाली थी, इसलिए हम यहां पर साइड में झोपड़ी बनाकर रह रहे थे। बकरीद थी, इस कारण नॉनवेज बना रहे थे।

इनका कहना है

मामले में राजेन्द्र क्षिप्रे डीपीसी शाजापुर ने बताया कि, शासकीय स्कूल में नॉनवेज बनाने के मामले में थाने में शिकायत की गई थी, पुलिस ने उक्त आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है और कार्यवाही की जा रही है। स्कूल परिसर में बनाया गया अतिक्रमण भी हटाया गया है।

बामन घाट पर मरम्मत कार्य अति शीघ्र कराएं आमजन को मुसीबत से बचाए

माही की गूंज, शुजालपुर।

बामन घाट पर मरम्मत कार्य के साथ एक बोर का खनन और कराने हेतु सामाजिक कार्यकर्ता पूर्व पार्षद पं. प्रवीण जोशी द्वारा समस्या के निराकरण कराने हेतु प्रशासन के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर मीडिया के माध्यम से समाधान कराने का प्रयास पुनः किया है। शुजालपुर एसडीएम सीएमओ एवं नपा अध्यक्ष को पत्र प्रेषित कर उक्त समस्या के निराकरण की पुरजोर मांग रखी। जैसा की सर्वविदित है कि, वर्तमान में नगर पालिका क्षेत्रवासियों को भीषण जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। प्रवीण जोशी द्वारा दिनांक 6 जून को बोर खनन की मांग की गई थी प्रशासन द्वारा जटाशंकर मंदिर क्षेत्र नर्सरी के सामने एक बोर कराया गया जिसमें लगभग ढाई इंच पानी निकला है।

इस क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में पानी निकलने की संभावना को देखते हुए जटाशंकर महादेव मंदिर के पीछे जमधड नदी के तट पर एक बोर खनन और करवाया जाए इस बोर में और अधिक पानी निकालने की पूर्ण संभावना है। नगर वासियों की ओर से बोर कराएं जाने की पुरजोर मांग करने के साथ ही नगर व क्षेत्र का स्थाई प्रमुख जल स्त्रोत बामन घाट डेम है जिस पर अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत मरम्मत कार्य किया जाना प्रस्तावित है। बामन घाट पर मरम्मत कार्य कराए जाने की नगर पालिका शुजालपुर द्वारा कार्यालयीन प्रक्रिया पूर्ण की जा चुकी है उसके बाद भी ठेकेदार द्वारा कार्य नहीं किया जाना समझ से परे है। आमजन में रोष व्याप्त है एवं व्यवस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह के साथ कई सवाल खड़े होते हैं। पिछली बार बरसात में बामन घाट डेम की पाल ग्राम रिछोदा की ओर वाली पाल बरसाती पानी के तेज बहाव के चलते बह गई थी जिससे रिछोदा ग्राम का संपर्क टूट गया था। इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं विभिन्न समाचार पत्रों के माध्यम से उक्त विषय प्रकाश में आया जिसके बाद उज्जैन से अधिकारी लोग आए और डैम का निरीक्षण किया तत्पश्चात इस कार्य को अमृत 2.0 योजना में जोड़ा गया। पुनः मीडिया के माध्यम से जनहित में प्रशासन से पुरजोर मांग है कि, संबंधित को बरसात के पूर्व शीघ्र अति शीघ्र मरम्मत कार्य पूर्ण करने के निर्देश देकर जनहित में मरम्मत कार्य पूर्ण कराएं पाल को एवं बामन घाट डेम को क्षति ग्रस्त होने से बचाएं।

श्री ऋषियनन्द पर मनाया गंगा दशहरा महोत्सव

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले के परम अवधूत संत ब्रह्मलीन स्वामी श्री ऋषियानन्दजी महाराज की आराध्या-इष्ट माँ भगवती गंगा का अवतरण दिवस गंगा दशहरा श्री ऋषियानन्द आश्रम तेलिया तालाब पर रविवार को मनाया गया।

प्रारंभ में प्रातः 8 बजे गंगा मंदिर में भगवती गंगा के श्री विग्रह (प्रतिमा) का पूजन अभिषेक आरती की गई। तत्पश्चात् पूज्य स्वामी देवस्वरूपानंद सरस्वती के आत्म तत्व पर प्रवचन हुए। प्रसादी भण्डारा हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

इस अवसर पर स्वामीजी ने कहा कि, हम अपने को जो देह शरीर मान बैठै है यही सबसे अज्ञान है। हम देह नहीं बल्कि देही है। अर्थात इस देह और इस देह में स्थित इन्द्रियों का नियंत्रक आत्मा है। स्वामी जी जाग्रत स्थान और सुक्षुप्ती का व्याख्या करते हुए कहा जब हम जाग्रत होते है तब स्वप्न और सुश्रुप्ती अवस्था नहीं रहती। इसी प्रकार स्वप्न में जाग्रत-सुषुप्ती और सुषुप्ती में जाग्रत-स्वप्न अवस्था नहीं रहती परन्तु तीनों अवस्थाओं में जब हमेशा बना रहता है वह हम आत्मा ही है। तीनों अवस्थाओं से जो परे न्यारा है वह है आत्मा। संतों के पास लौकिक कामनाओं की पूर्ति के लिये नहीं बल्कि अलौकिक आत्मानुभूति आत्म ज्ञान की प्राप्ति के लिये जाना चाहिये तभी संतों के सानिध्य में जाने का सच्चा लाभ प्राप्त होता है।

विधायक डोडियार ने कॉलेज की नई बिलि्डग सहित बीए, बीकॉम कोर्सेज़ शुरू करने की उठाई माँग

माही की गुंजन, रतलाम।

मध्यप्रदेश सरकार ने सैलाना विधानसभा क्षेत्र के रावटी में पिछ्ले कुछ वर्षों से शासकीय महाविद्यालय का संचालन शुरू किया था जिसके लिए आज तक महाविद्यालय भवन निर्माण शुरू नहीं किया है। आदिवासी अंचल होने के बावजूद कॉलेज में अभी तक बीए और बीकॉम पाठ्यक्रम शुरू नहीं किए है। सैलाना विधायक कमलेश्वर डोडियार ने कहा कि, एक ओर जहां कॉलेज में कला और वाणिज्य संकाय संबंधी कोर्सेज़ नहीं होने से प्रतिवर्ष क्षेत्र के हज़ारों बच्चे विभिन्न स्कूलों से आर्ट्स और कॉमर्स संकाय पढ़कर पास होते है जो उच्च शिक्षा के लिए दाख़िला नहीं ले पा रहे है। वही दूसरी ओर महाविद्यालय में छात्राओं के लिए शोचालय तक नहीं है न ही साफ़ सफ़ाई इत्यादि के लिए चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है। डोडियार ने आगे यह भी कहा कि, रावटी का शासकीय महाविद्यालय एक पुराने जर्जर स्कूल में संचालित हो रहा है जहाँ विद्यार्थी और प्राध्यापक सभी असुरक्षित महसूस करते रहते है। विधायक ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, उच्च शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव सहित उच्च शिक्षा विभाग मंत्री इंदर परमार को पत्र लिखकर महाविद्यालय में बुनियादी समस्याओं का समाधान करने के साथ रावटी नवीन महाविद्यालय भवन निर्माण और कला एवं कॉमर्स में नवीन पाठ्यक्रम शुरू करने की माँग की है।

किसान का अनूठा प्रदर्शन, परिवार सहित पहुंचे कलेक्टोरेट

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में रिश्वतखोरी के से परेशान एक किसान का अनूठा प्रदर्शन सामने आया है। बुधवार सुबह 11 बजे उन्होंने परिवार सहित कलेक्ट्रेट पहुंचे और न्याय की गुहार लगाते हुए हंगामा करने लगे।

किसान ने कहा, पटवारी ने एक लाख 70 लाख रुपए रिश्वत ली है। जब तक न्याय नहीं मिल जाता मैं कलेक्ट्रेट परिसर में ही सोऊंगा।

शाजापुर के बक्सूखेड़ी निवासी बुजुर्ग किसान मोती पिता धन्नाजी मंगलवार को जनसुनवाई में अपनी फिरयाद लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। यहां कलेक्टर को आवेदन देकर 'मुझ गरीब को न्याय दो' लिखी तख्ती लेकर धूप में बैठ गए। सुनवाई नहीं हुई तो कलेक्ट्रेट परिसर में ही लेट गए। बोले-मुझे एडीएम के सामने मरना है। वह मेरी फाइल दबाकर बैठे हैं।

किसान ने बताया कि, पटवारी को रिश्वत लेकर उनकी पुस्तैनी जमीन नर्मदा परियोजना का कब्जा करवा दिया है। जब तक मुझे न्याय नहीं मिल जाता, तब तक मैं यहीं पर आमरण अनशन करूंगा।

बिना मुआवजा दिए बिछवाई पाइपलाइन

किसान का कहना है कि, पावती बनाने के लिए पटवारी को 1 लाख 70 हजार की रिश्वत दे चुका हूं। उन्होंने आठ महीने में बनाकर देने को कहा था, लेकिन पावती नहीं बनाई। बाद में मेरी जमीन पर नर्मदा परियोजना की पाइपलाइन बिछ्वा दी गई। कोई मुआवजा भी नहीं मिला।

6 वर्ष पुराने मामले में पूर्व पार्षद सहित 2 को उम्र कैद

माही की गूंज, रतलाम।

न्यायालय ने ग्राम जुलवानिया में स्थित फार्म हाउस पर पिस्टल से फायर कर युवक की हत्या करने के मामले में दोषी पाए जाने पर पूर्व पार्षद 42 वर्षीय पंकज पडियार उर्फ बंटी पिता नारायण पड़ियार निवासी शांतिनगर हरमाला रोड व 26 वर्षीय नीरज साखला पुत्र राजेशसिंह साखला निवासी लंबी गली थावरिया बाजार को भादंवि की धारा 302 सहपठित धारा 34 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अभियुक्तों पर उक्त धारा में दस-दस हजार रुपए का जुर्माना भी किया गया। फैसला सप्तम अपर सत्र न्यायाधीश राजेश नामदेव ने सुनाया।

अभियोजन के अनुसार 27 अगस्त 2018 को तत्कालीन पार्षद पंकज पड़ियार उर्फ बंटी के ग्राम जुलवानिया स्थित फार्म हाउस पर दाल-बाटी की पार्टी रखी गई थी। पार्टी में फरियादी विजय राठौड़ पिता रामविलास राठौड़ (19) निवासी स्थानीय मुखर्जी नगर, उसके जीजा 30 वर्षीय राकेश राठौड़ पिता ओमप्रकाश राठौड़ निवासी ओझा कॉलोनी पाहड़िया रोड नागदा (उज्जैन) तथा विजय के दोस्त प्रद्युमन सिसोदिया निवासी सुयोग परिसर, अनिल सिसोदिया निवासी कोर ब्राह्मण कॉलोनी को भी बुलाया गया था। वे चारों पंकज के फार्म

हाउस पर पार्टी में शामिल होने वहां गए थे। तब वहां जलज साखंला निवसी सावरिया कॉलोनी, नीरज सांखला निवासी लंबी गली थावरिया बाजार, अभिषेक सांखला, मांगीलाल गेहलोत, प्रहलाद निवासी लक्ष्मीनगर, पंकज पड़ियार व अन्य लोग भी थे। रात करीब 10:15 बजे नीरज साखला ने पंकज पड़ियार को पिस्टल दी थी।

पंकज के हाथ में पिस्टल थी तथा उसके पास नीरज साखला व अभिषेक साकला भी खड़े थे। उसी समय राकेश राठौड़ सामने खेत में से बाथरूम करके वापस आ रहा था, तभी पंकज ने राकेश पर यह कहते हुए फायर कर दिया था कि बहुत होशियार बनता है । गोली राकेश के के बाये तरफ कान के पीछे सिर में लगी थी। गोली लगते ही वह नीचे गिर गया था तथा राकेश की मौके पर ही मौत हो गई थी। उनके साले विजय ने डायल 100 पर सूचना दी थी। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटना स्थल की जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया था। घटना स्थल से पुलिस ने चले हुए कारतूस का खोखा, खून आलूदा मिट्टी, शराब की भरी व खाली बोलते व अन्य सामग्री जब्त की थी। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर पंकज पड़ियार व नीरज साखला को गिरफ्तार कर लिया था।

प्रकरण में शासन की तरफ से पैरवी अपर लोक अभियोजन अधिकारी सौरभ सक्सेना ने की। अपर लोक अभियोजन अधिकारी सौरभ सक्सेना ने बताया कि, न्यायालय ने पंकज पड़ियार को आर्म्स एक्ट की धारा 27 (1) तथा नीरज को धारा 25 (1-ख) (क) में तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास की सजा तथा एक-एक हजार रुपये का जुर्माना से भी दंडित किया।न्यायालय ने फैसले की तारीख 31 मई 2024 तय की थी। उस दिन पकंज तो न्यायालय में उपस्थित हुआ था, लेकिन नीरज नहीं पहुंचा था। न्यायालय ने नीरज के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पुलिस ने नीरज को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया इसके बाद न्यायालय ने प्रकरण में फैसला सुनाया।

सर्वसुविधायुक्त 369 सीएम राइज स्कूलों का संचालन आरंभ-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

माही की गूंज, इंदौर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नेगत दिवस कहा है कि राज्य सरकार ने प्रदेश में सर्वसुविधायुक्त 369 सीएम राइज स्कूलों का संचालन आरंभ कर दिया है। इन स्कूलों में विश्व स्तरीय बिल्डिंग, स्मार्ट क्लास, डिजिटल टीचिंग, निःशुल्क वाहन सुविधा, एक्सपोजर विजिट के साथ-साथ अन्य आधुनिक संसाधनों की सुविधा विद्यार्थियों को प्राप्त होगी। अन्य विद्यालयों में भी किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने देंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश के 416 विद्यालयों में पीएमश्री योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट शिक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इन सुविधाओं का अन्य शालाओं में भी विस्तार होगा। प्रदेश के विद्यार्थी महापुरूषों से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के पथ पर अग्रसर होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान 2024 के शुभारंभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव नवप्रवेशी विद्यार्थियों का किया स्वागत

शासकीय सुभाष उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाला में नवप्रवेशी विद्यार्थियों को दुलार कर, तिलक लगाकर व पुस्तकें भेंट कर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुपर-100 योजना के अंतर्गत वर्ष 2024 में जेईई एडवासं में आईआईटी में प्रवेश लेने वाले शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ग्राम सालीचौका जिला नरसिंहपुर के श्री पवनराय, ग्राम रक्सहाकलॉ जिला रीवा के श्री शीतल सिंह, सतना जिले ग्राम अतरार के श्री साहिल पाल, भोपाल के श्री रविराज विश्वकर्मा का सम्मान भी किया।

स्कूल शिक्षा स्तर पर भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के क्रियान्वयन में प्रदेश अग्रणी रहेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासकीय विद्यालयों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यह विद्यालय शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ सफल जीवन जीने की प्रेरणा और अनुभव प्रदान करने के भी महत्वपूर्ण केन्द्र हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देश की सभी व्यवस्थाओं में सुधार हो रहा है। इसी क्रम में लागू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का सकारात्मक प्रभाव हमारी वर्तमान पीढ़ी में परिलक्षित होगा। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने में देश में अग्रणी रहा है। स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों का क्रियान्वयन प्राथमिकता के आधार पर कर मध्यप्रदेश देश में आगे रहेगा।

भगवान श्रीकृष्ण ने शाला स्तर पर ज्ञानार्जन और मित्रता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यालय संचालन के साथ-साथ विद्यालय के परिवेश के बारे में सोचना और उसे बेहतर बनाना आवश्यक है। विद्यालय विद्यार्थियों को ऐसा परिवेश और मार्गदर्शन दें, जिससे वे कठिन परिस्थितियों में भी श्रेष्ठ ज्ञान और शिक्षा प्राप्त करते हुए नैतिक मूल्यों के साथ लक्ष्य प्राप्ति की ओर अग्रसर हो सकें। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण का उदाहरण देते हुए कहा कि श्रीकृष्ण ने गुरूकुल में अपनी प्रतिभा और योग्यता के बल पर विभिन्न विद्याओं और कलाओं में दक्षता अर्जित की, साथ ही दुनिया के सामने मित्रता का भी श्रेष्ठतम उदाहरण प्रस्तुत किया।

जनजातीय कार्यमंत्री कुंवर विजय शाह ने कहा कि शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगियों परीक्षाओं की तैयार के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरंभ की गई सुपर-100 योजना का विस्तार सभी संभागों तक किया जाना आवश्यक है। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा श्री उदय प्रताप सिंह, खेल एवं युवा कल्याण सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्संख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, पूर्व प्रोटेम विधानसभा स्पीकर श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवानदास सबनानी तथा अन्य जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

एन एच पी एस स्कूल में हुआ नया सत्र प्रारंभ

माही की गूंज खवासा।

नए उत्साह उमंग के साथ बच्चो ने न्यू हाइट्स पब्लिक स्कूल के नवीन सत्र में प्रवेश किया । सर्वप्रथम बच्चो के वेलकम हेतु संस्था के सभी शिक्षक द्वारा स्कूल गेट पर उनका तिलक संस्कार कर ,उनके क्लास टीचर्स से अलग अंदाज में भेट की गई । संस्था के डायरेक्टर द्वारा कदम का पैड परिसर में लगाकर नवीन सत्र का शुभारंभ किया । बच्चो द्वारा माता सरस्वती पूजन आरती और फिर विद्यारंभ स्वास्तिक संस्कार कर शिक्षा आरंभ कीया गया। डायरेक्टर द्वारा नवीन सत्र में अनुशासन और शिक्षा के साथ संस्कार के मुद्दे को प्रमुखता दिए जाने की बात कही गई है । साथ ही कहा गया की बच्चो की पढ़ाई पर विशेष फोकस किया जाएगा

खनिज, राजस्व एवं पुलिस की सयुक्त कार्यवाही

माही की गूंज, खरगोन। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा के निर्देश पर खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा राजस्व एवं पुलिस के साथ मिलकर खनिज के अवैध उत्खनन, भंडारण पर कार्यवाही की गई है। खनिज अधिकारी सावनसिंह चौहान ने बताया कि, 18 जून को सुबह भीकनगाँव क्षेत्र के टेमरना में वेदा नहीं में अवैध रेत का उत्खनन हो रहा है। जिसपर तत्काल एक्शन लेते हुए सहायक खनिज अधिकारी रीना पाठक द्वारा सयुक्त रूप से राजस्व एवं पुलिस की मदद से ग्राम टेमरना में वेदा नदी के किनारे श्मशान घाट पर 25 ट्रैक्टर ट्रॉली रेत का अवैध भण्डार जब्त किया गया व खसरा नंबर 3 वेदा नदी के किनारे 60 ट्रैक्टर ट्रॉली रेत भंडारण जब्त कर ग्राम सरपंच के सुपर्दगी में दिया गया। ग्राम टेमरना में वेदा नदी में रेत का अवैध उत्खनन में संलग्न पाए जाने पर दो ट्रैक्टर ट्रॉली महिंद्रा व एमपी 10-एए-3285 को जब्त किया। प्रकरण में 02 ट्रेक्टर एव 85 ट्रॉली अवैध रेत भंडारण का प्रकरण म.प्र. खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अवैध परिवहन एवं उत्खनन का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है और कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जावेगा।है और कार्यवाही के लिए कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जावेगा।

जिला पंचायत की साधारण सभा सम्पन्न

माही की गूंज, बड़वानी।

जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल की अध्यक्षता में बुधवार की दोपहर 1 बजे से जिला पंचायत की साधारण सभा की बैठक का आयोजन जिला पंचायत सभागृह बड़वानी में किया गया है। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण, उद्यानिकी, शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग, पशु पालन विभाग की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष बलवंतसिंह पटेल, जिला पंचायत सीईओ काजल जावला, उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन वर्मा, पानसेमल विधायक श्याम बरडे, बड़वानी विधायक राजन मण्डलोई, सेधंवा विधायक मोन्टू सोलंकी, जिला पंचायत सदस्य करणसिंह दरबार, बरमा सोलंकी, श्रीमती गीता चौहान, दरबार डावर, भायदास माहरिया, श्रीमती कविता आर्य, श्रीमती जामबाई रमेश, जुलाल वसावे, जनपद पंचायत पाटी अध्यक्ष थानसिंह सस्ते, ठीकरी मनोहर अवास्या, पानसेमल श्रीमती लता सीताराम पटेल, लोकसभा सांसद प्रतिनिधि रमेश सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थें।<

उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों का अभिनंदन

माही की गूंज, खरगोन।

जिले के समस्त शासकीय विद्यालयों में 18 जून को शिक्षण सत्र प्रारंभ होने पर प्रवेशोत्सव मनाया गया। इसी तारतम्य में खरगोन की शासीय देवी अहिल उत्कृष्ट विद्यालय में वृहद स्तर पर प्रवेशोत्सव विधायक बालकृष्ण पाटीदार की अध्यक्षता एवं सहायक आयुक्त प्रशांत आर्या एवं जिला शिक्षा अधिकारी एसके कानुड़े की विशेष उपस्थिति में आयोजित किया गया।

उक्त अवसर पर अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को तिलक लगाकर एवं पुस्तकें भेंट कर शुभकामनाएं प्रदान की गई। इस अवसर पर विधायक श्री पाटीदार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खरगोन नगर में विश्वविद्यालय खुल चुका है। मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, कृषि कॉलेज आदि भी उपलब्ध है। अतः आप सभी शासन की योजनाओं को लाभ उठाते हुए गंभीरता से अपना अध्ययन कार्य करें। जिससे आपका जीवन और परिजनों एवं समाज उंचे स्तर पर पहुंचे सके। सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्या ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि अध्ययन का तनाव दिमाक पर न लेते हुए आनंद लेते हुए अध्ययन करें। साथ ही पूरे वर्ष की प्लानिंग बनाकर उसके अनुसार अध्ययन कार्य करें। श्री आर्या ने उत्कृष्ट विद्यालय का परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहने एवं कक्षा 12वीं की जिले की मैरिट लिस्ट की प्रथम विद्यार्थी इस संस्था की होने पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी और निरंतर उच्च कोटी की सेवाएं और अध्यापन करने हेतु प्रेरित किया।

उक्त अवसर पर सहायक संचालक शिक्षा सुश्री सोनाली अचाले, विद्यालय प्राचार्य श्री पाटीदार, पीटीआई प्रदीप बड़ोले एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अमृता शर्मा एवं आभार सुनिल देशपाण्डे ने माना।

विधानसभा सत्र हेतु विशेष व्यवस्था

माही की गूंज, बड़वानी।

मध्यप्रदेश विधानसभा का तृतीय सत्र एक जुलाई से 19 जुलाई तक जारी रहेगा। सत्र के दौरान जिले को प्राप्त होने वाले प्रश्नो के उत्तर भेजने के लिए कार्यालयो में विशेष व्यवस्था की गई है। कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने जिला बड़वानी से संबंधित प्राप्त होने वाले सभी प्रकार के विधानसभा प्रश्नो के उत्तर समय सीमा में भेजने हेतु अपर कलेक्टर श्री केके मालवीय को नोडल अधिकारी बनाया है। जबकि प्राप्त होने वाले प्रश्नो के संधारण के लिए कलेक्टरेट के सहायक ग्रेड-3 नीरज अवस्थी को अधिकृत किया है। सभी जिला अधिकारी उन्हे प्राप्त प्रश्नो को व उनके भेजे जाने वाले उत्तरो को नोडल अधिकारी व अधिकृत अधिकारी के यहॉ संधारण पंजी में अनिवार्य रूप से दर्ज करवायेंगे। वही अधिकृत अधिकारी प्रतिदिन प्राप्त होने वाले प्रश्नो को पंजी में प्रविष्टि कर संबंधित अधिकारी को भिजवायेंगे तथा निर्धारित समय के पूर्व उनका उत्तर भिजवाया जा चुका है, का प्रतिदिन परीक्षण कर भेजे गए प्रश्नो के उत्तर को पंजी को प्रविष्टि करेंगे। वही राष्ट्रीय सूचना केन्द्र बड़वानी को निर्देशित किया है कि वह प्रतिदिन ई-मेल चेक प्राप्त विधानसभा नोडल अधिकारी एवं अधीक्षक को उपलब्ध करावे। साथ ही कलेक्टर ने समस्त विभाग प्रमुखों को यह आदेशित किया है कि विधानसभा सत्र की कालावधि में बिना पूर्व अनुमति प्राप्त किये कोई भी अधिकारी/कर्मचारी अवकाश पर प्रस्थान नही करेंगे, और न ही बिना अवगत कराये मुख्यालय छोड़ेंगे।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को

माही की गूंज, धार।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के मार्गदर्शन में अंतराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को खेल प्राधिकरण जेतपुरा में प्रातः 6 बजे से आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम में सहभागी की उपस्थिति, अतिथिगण का आगमन प्रातः 6 बजे, अतिथिगण का उद्बोधन प्रातः 6.02 बजे, कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रातः 6.10 बजे, योगा अभ्यास प्रातः 7 बजे से 7.45 बजे तक तथा आभार, समापन 7.50 बजे किया जायेगा।

विधायक ने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का किया निरीक्षण

माही की गूंज, इंदौर।

विधायक सुश्री उषा ठाकुर ने आज इंदौर जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर धारनाका , गवली पलासिया, बड़गोंदा, दतोदा और चोरल का आकस्मिक निरीक्षण किया स विधायक सुश्री ठाकुर ने औषधालय की व्यवस्था देख कर प्रसन्नता व्यक्त की। सामुदायिक आयुष चिकित्सा अधिकारियों द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी गई। जिसमें वाटर टेस्टिंग, नमक में आयोडीन टेस्टिंग, बी.पी., एचबी की जॉच के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। सुप्रजा कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. अल्पना द्वारा गर्भ संस्कार के विषय में जानकारी दी गई। वयोमित्र डॉ. नितिन सोनी द्वारा भी हेल्थ के बारे में जानकारी प्रदान की गई। आयुर्विद्या की जानकारी डॉ. अनुराग भट्ट द्वारा दी गई। विधायक सुश्री उषा ठाकुर ने राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने पौधरोपण भी किया।

निरीक्षण के दौरान जिला आयुष अधिकारी डॉ. हंसा बरिया, नोडल अधिकारी डॉ. राकेश गुप्ता, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोनम तिवारी, डॉ. नेहा भाना, डॉ. प्रिया वर्मा, डॉ. सीमा आर्य, डॉ. रागिनी शिवहरे एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सिंहस्थ-2028 में पेयजल एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिये अमला उज्जैन में स्थानांतरित

माही की गूंज, इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने पीएचई विभाग के अमले को सिंहस्थ-2028 पेयजल एवं अपशिष्ट प्रबंधन के लिये उज्जैन स्थानांतरित करने के निर्देश दिये। विभाग द्वारा सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन के लिये पेयजल एवं अपशिष्ट प्रबंधन के वृहद कार्यों की प्लानिंग, क्रियान्वयन, संचालन एवं संधारण के लिये उज्जैन में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के एक खण्ड कार्यालय की आवश्यकता को देखते हुए भोपाल के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी नर्मदा परियोजना खण्ड क्र.1 एवं उसके अधीन उप खण्ड क्र.3 को अमले सहित उज्जैन में अस्थाई रूप से स्थानांतरित किया है।

इस खण्ड एवं उप खण्ड का नाम लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सिंहस्थ परियोजना खण्ड उज्जैन होगा। मुख्यालय उज्जैन में होगा। सिंहस्थ खण्ड उज्जैन के अंतर्गत सम्पूर्ण उज्जैन में सिंहस्थ के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के जल प्रदाय और जल-मल निकासी संबंधी नवीन कार्ययोजना, निर्माण कार्य, संचालन एवं संधारण का कार्य करेगा। इन सभी कार्यों से सिंहस्थ के दौरान आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को पेयजल सुविधाएं आसानी से प्राप्त होंगी तथा जल-मल निकासी की उपयुक्त सुविधाएं होने पर स्वच्छता भी बनी रहेगी।

अवैध कॉलोनियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए तैयार प्रशासन

माही की गूंज, उज्जैन।

जिले के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में अवैध कॉलोनीयों को चिन्हित कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यह निर्देश कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित समसामयिक विषयों की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में अपर कलेक्टर महेंद्र कवचे उपस्थित रहें। साथ ही सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए।

कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि, ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित एसडीएम, नगरीय क्षेत्र में संबंधित निकाय और निगम क्षेत्र में आयुक्त नगर निगम द्वारा अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्यवाही करें। अवैध कॉलोनियों के विरुद्ध कार्रवाई की सतत मॉनिटरिंग की जाएगी।

अपर कलेक्टर और एसडीएम भी फील्ड पर जाएं

राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले में अगले 7 दिन सीमांकन सप्ताह चलाएं। सुनिश्चित करें कि सीमांकन के प्रकरणों में तिथि निर्धारित कर उनका सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण किया जाए। सीमांकन के कुल प्रकरणों में 10 प्रतिशत प्रकरणों का संबंधित पीठासीन अधिकारी द्वारा फील्ड पर जाकर समीक्षा की जाए। इस प्रकार 5 प्रतिशत प्रकरणों का संबंधित एसडीएम और 2 प्रतिशत प्रकरणों का अपर कलेक्टर द्वारा अवलोकन किया जाएगा।

कलेक्टर स्वयं देखेंगे प्रकरणों के निराकरण की गुणवत्ता

कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिए कि वे स्वयं भी फील्ड पर जाकर सीमांकन के प्रकरणों के निराकरण की गुणवत्ता देखेंगे। सभी एसडीएम पटवारियों के साथ बैठक आहूत कर उन्हें दिशा निर्देशों से अवगत कराएं और सीमांकन के प्रकरणों में निर्धारित तिथि की तामिली कराया जाना सुनिश्चित करें।

किसानों को संतुलित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग के लिए प्रेरित करें

आगामी दो दिनों में सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में किसान संगठनों की बैठक आयोजित कर उन्हें आगामी खरीफ सीजन के लिए संतुलित मात्रा में उर्वरकों के उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। उन्हें डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरक का उपयोग करने की सलाह दें और उसके लाभों से भी अवगत कराएं।

अभिभावकों के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री का संदेश

माही की गूंज, झाबुआ। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री मध्यप्रदेश शासन उदय प्रतापसिंह द्वारा कक्षा 1 से 8 के विद्यार्थियों के अभिभावकों के लिए संदेश दिया गया है कि, हम सभी चाहते हैं कि हमारे बच्चे होनहार बनें, खूब पढ़ें-खूब खेलें, खुलकर जीयें और जीवन में खूब आगे बढ़े। इस दिशा में, शासन पूर्ण प्रतिबद्ध हो, जिसके लिए हर संभव कार्य कर रही है। आपका सक्रिय सहयोग ही बच्चों के सर्वांगीण विकास में आवश्यक है। अपने बच्चे को नियमित रूप से समय पर विद्यालय भेजें ताकि आपके बच्चे हर विषय एवं सभी गतिविधियों में पूर्ण भागीदारी ले सकें। घर में बच्चे के लिए, पढ़ने का स्थान और समय तय करें और प्रतिदिन तय किए गए समय पर पढ़ने की आदत डलवायें। पढ़ाई के लिए तय समय में उससे कोई अन्य कार्य न करवाएं। कोशिश करें कि उनकी पढ़ाई के समय, घर में शांतिपूर्ण माहौल हो जिससे बच्चे मन लगा कर अध्ययन करें। शिक्षक से नियमित संवाद करें और अपने बच्चे की प्रगति और अन्य गतिविधियों पर चर्चा करें। कोई विशेष समस्या हो तो शिक्षक से मिलकर उसे सुलझाने का प्रयास करें। कभी आप स्वयं स्कूल न जा पाएँ तो फोन के माध्यम से शिक्षक के संपर्क में रहें। इन बातों का ध्यान रखें कि बच्चे यूनिफॉर्म में, टाइम टेबल के हिसाब से नोटबुक एवं किताबें लेकर विद्यालय पहुँचें। बच्चों से विद्यालय में हुई गतिविधियों के बारे में बात करें, उनकी डायरी चेक करें, गृहकार्य के बारे में पूछे और उसे पूरा करने में सहयोग करें। बच्चे की भावनाओं को जानने और समझने की कोशिश करें। इससे आपको उनकी पसंद-नापसंद, उनकी रुचियों व समस्याओं को समझने में मदद मिलेगी। अपने बच्चे की तुलना किसी और से न करें बल्कि उनके प्रयासों व खूबियों की प्रशंसा करें। पढ़ाई के साथ, उन्हे संगीत, कला, खेल आदि जैसी सह-शैक्षणिक गतिविधियों में सहभागिता करने लिए प्रोत्साहित करें ताकि उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हो और उनमें नेतृत्व कौशल और समूह में कार्य करने जैसे कौशलों का विकास हो। आपके उक्त समर्थन से बच्चों को प्रोत्साहन मिलेगा ही, साथ ही हमारे शिक्षकों का मनोबल भी बढ़ेगा। बच्चों का निखरता व्यक्तित्व उन्हें भविष्य का सफल, सुयोग्य एवं जिम्मेदार नागरिक बनायेगा, जो आने वाले समय में अपने समाज, प्रदेश और देश को विश्व क्षितिज पर गौरवान्वित करेंगे।

प्रेमी संग मिलकर पति को दफन कर आठ माह तक गुमशुदगी का नाटक करती रही पत्नी

माही की गूंज, अलीराजपुर/धार।

धार जिले के डही थाना क्षेत्र के खटामी ग्राम में एक सनसनीखेज घटना का खुलासा पुलिस ने किया है। गांव का एक शख्स करीब आठ माह से लापता था। इस दौरान उसकी दूसरी पत्नी अपने पति के गुमशुदा हो जाने का नाटक करती रही। मामले में पुलिस की लंबी जांच के बाद ऐसा तथ्य सामने आया जिसने सभी को हैरान कर दिया।

पुराने कुएं में दफन कर दिया था शव

पुलिस के अनुसार दरअसल लापता शख्स की दूसरी बीवी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी थी। इसके बाद उसके शव को नानपुर थाना क्षेत्र के फाटा भुरघाटी में एक नदी किनारे स्थित कुएं में दफन कर दिया था। पुलिस को यहां से हड्डियां और चप्पल मिली है। पुलिस अब शव की डीएनए जांच कराएगी, जिससे मृतक की पहचान सुनिश्चित होगी।

यह है पूरा मामला

पुलिस के अनुसार मुन्ना तड़वाल निवासी खटामी (धार) आठ माह से लापता था। गायब होने के बाद स्वजन ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस मुन्ना को लापता समझकर मामले की जांच कर रही थी।

मृतक के भांजे से पूछताछ की तो हुआ खुलासा

इस बीच सूचना के आधार पर पुलिस ने मृतक के भांजे लालू से पूछताछ की। इसके बाद जो खुलासा हुआ, उसने पुलिस को भी हैरान कर दिया। लालू ने पुलिस को बताया कि मृतक की दूसरी पत्नी रेशमा ने अपने प्रेमी गुड्डू के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी थी।

इसलिये उतार दिया मौत के घाट

इसके बाद पति के शव को ग्राम फाटा भुरघाटी में नदी किनारे पुराने कुएं में फेंककर ऊपर से मिट्टी व पत्थर डाल दिए थे। इस बारे में मृतक के स्वजन का कहना है कि संभवतः गुड्डू और रेशमा के प्रेम-प्रसंग के बारे में मुन्ना को पता चल गया था, इसलिए मुन्ना को मौत के घाट उतार दिया गया।

जेसीबी से कराई गई खुदाई

नानपुर पुलिस ने इस संबंध में बताया कि, डही पुलिस के साथ मिलकर मौके पर जेसीबी से खुदाई कराई गई। यहां से हड्डियां और चप्पल मिली है। मृतक की शिनाख्ती के लिए अब डीएनए जांच कराई जाएगी। खुदाई के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी जुट गए थे।

राष्ट्रीय आम महोत्सव में जिले को मिले 10 पुरस्कार

माही की गूंज, अलीराजपुर।

संभागायुक्त दीपक सिंह के मार्गदर्शन में संभाग के अलीराजपुर जिले में आम प्रजाति को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे है। कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर के दिशा निर्देशन में अलीराजपुर जिले के दो आम उत्पादक उन्नत कृषकों ने राष्ट्रीय आम महोत्सव रायपुर छत्तीसगढ़ में सहभागिता की। उक्त दोनों कृषकों को राष्ट्रीय आम महोत्सव में 10 पुरस्कार मिले, जो अलीराजपुर जिले सहित पूरे संभाग के लिए गर्व की बात है। संभागायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर डॉ. बेडेकर सहित अन्य अधिकारीगण ने दोनों कृषकों को बधाई दी है।

अलीराजपुर जिले के ग्राम छोटा उंडवा निवासी कृषक युवराज सिंह राठौर को राष्ट्रीय आम महोत्सव में विभिन्न आम प्रजाति के तहत अलग-अलग श्रेणी में 7 पुरस्कार मिले। उन्हें आम्रपाली, पूसा अरुणिमा, रुमानी (लड्डू), पायरी आम की प्रजाति के लिए प्रथम पुरस्कार मिले। मल्लिका और हापुस प्रजाति के आम के लिए द्वितीय एवं केसर प्रजाति के आम के लिए सांत्वना पुरस्कार मिला। जोबट के ग्राम काली खेतर निवासी उन्नत कृषक प्रदीप सिंह राठौर को 3 पुरस्कार मिले। उन्हें नूरजहां, केसर एवं सिन्दूरा की आम प्रजाति के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। राष्ट्रीय आम महोत्सव रायपुर में 8 राज्यों मध्यप्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात, उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ के करीब 500 कृषकों ने उन्नत एवं देशी आम की करीब 350 प्रजाति के आम के स्टॉल लगाए थे।

उल्लेखनीय है कि, तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आयोजन रायपुर छत्तीसगढ़ में हुआ। यह आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा आयोजित किया गया था। आम महोत्सव में अलीराजपुर जिले के आम विशेष आकर्षण का केन्द्र रहें। उक्त कृषकों को आम महोत्सव में सहभागिता के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र अलीराजपुर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरके यादव ने प्रोत्साहित करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।

शहर में घूम रही 'गमला चोर' महिला, मुंह पर कपड़ा बांधकर स्कूटी से आई

माही की गूंज, उज्जैन।

शहर में एक चोरी का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला चोरी करते हुए दिखाई दे रही है। यह महिला कोई बेशकीमती सामान नहीं बल्कि एक घर के बाहर रखे दो गमलों की चोरी कर रही है। महिला की चोरी मकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। महिला ने चोरी के दौरान अपनी स्कूटी घर के थोड़े आगे रोकी, उसने एक गमला उठाया और स्कूटी पर रख दिया। इसके बाद वह लौटकर वापस आई और दूसरा गमला उठाकर रफूचक्कर हो गई।

यह चोरी की अनोखी वारदात थाना माधवनगर के 27/3 ज्ञानी भवन दशहरा मैदान में की गई है। मकान में रहने वाली पल्लवी देवनानी ने बताया कि सोमवार सुबह वह योगा क्लास गई थी। जब वह लौटकर आईं तो उनके माली ने बताया कि घर के बाहर रखे कुछ गमले गायब हो हुए हैं। गमले गायब होने के बारे मे सुनते ही पल्लवी ने तुरंत घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। जब देवनानी ने फुटेज देखी तो एक स्कूटी सवार महिला जो कि अपना फेस कवर किए थे, उनके गमले चुराते हुए दिखी।

मुंह पर बांध रखा था कपड़ा

वैसे तो अधिकतर महिलाएं दोपहर के समय अपने चेहरे को कपड़े से बांधकर रखती हैं, लेकिन सिर्फ गमले को चुराने आई महिला चोर ने सुबह 7:20 पर भी मुंह पर कपड़ा बांध रखा था ताकि गमले चुराते हुए उन्हें कोई पहचान ना ले। गमले चुराते समय महिला बिल्कुल भी डरी और घबराई हुई नजर नहीं आ रही थी। सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चलता है कि उसने एक बार भी इधर-उधर नहीं देखा और तुरंत गमले चुराकर भाग गई।

कुछ ही दूरी पर सीएम निवास

बताया जाता है कि, जिस स्थान पर यह गमले चोरी की वारदात हुई है उसके सामने ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का निवास है। इसके साथ ही महज चंद कदमों की दूरी पर एक दो नहीं बल्कि पूरे तीन थाने भी हैं। फिर भी इस वारदात को अंजाम देने वाली महिला चोर ने बिना घबराए इस चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया।

सुरक्षा की उठी मांग

शहर के पॉश इलाके में शामिल दशहरा मैदान क्षेत्र में सुबह हुई इस चोरी की वारदात के बाद, क्षेत्र के लोगों ने सुरक्षा की मांग की है। लोगों का कहना है कि, आज तो घरों के बाहर से गमले ही चोरी हुए हैं। अगर पुलिस समय रहते इस ओर ध्यान नहीं देती है तो वह दिन दूर नहीं जब क्षेत्र में चोरी की बड़ी-बड़ी वारदातें भी शुरू हो जएंगी।

गमले चोरी का वीडियो वायरल

गमले चोरी की वारदात भले ही छोटी हो लेकिन शहर भर में यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला गमले चुराती हुई दिखाई दे रही है। गमले चोरी कि इस वारदात पर शहरवासी तरह-तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भी दिखाई दे रहे हैं।

सही स्लोगन लिखने में चूक कर गई केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस ने कसा तंज

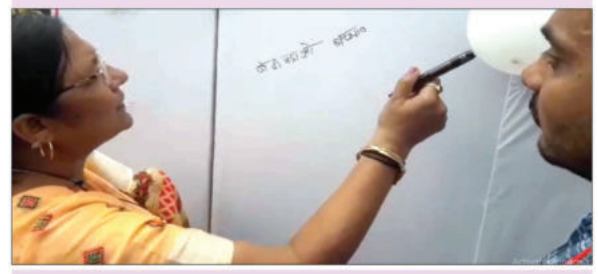

माही की गूंज, धार।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर के बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ स्लोगन फ्लैक्स पर सही नहीं लिखने के बाद कांग्रेस ने उन पर निशाना साधा है। इसके बाद भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार किया है।

मामला धार के एक स्कूल का है। मंत्री सावित्री ठाकुर स्कूल चले हम अभियान के शुभारंभ के दौरान धार के ब्रह्मकुंडी स्थित स्कूल में पहुंची थी। उन्होंने स्कूल की घंटी बजाकर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने मंगलवार बच्चों के साथ कुछ पल भी बिताए। उसके बाद बारी थी शिक्षा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने की।

इससे पहले रथ के पीछे लगे कैनवास पर सावित्री ठाकुर को लिखना था- बेटी पढ़ाओ ,बेटी बचाओ किंतु उन्होंने जो कुछ लिखा उससे वह खुद ही चर्चा का पात्र बन गई, क्योंकि मंत्री ने लिखा 'बेटी पडाओ बच्चाव'।

यह देखकर वहां मौजूद अधिकारी और तमाम लोग हतप्रभ रह गए, किंतु किसी ने कुछ भी बोलने की या सुधार करने की जहमत नहीं उठाई । इतना लिखने के बाद सावित्री ठाकुर ने उस पर हस्ताक्षर भी किए। सावित्री ठाकुर ने अपने शपथ पत्र में खुद की शिक्षा 12वीं पास बताया है। कांग्रेस प्रवक्ता केके मिश्रा ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया तो इस पर भाजपा प्रवक्ता डॉ. हितेश वाजपेयी ने पलटवार किया।

भस्म आरती में बाबा महाकाल का खुला तीसरा नेत्र

माही की गूंज, उज्जैन।

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों नें गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया।

भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट, मुंड माला धारण करवाई गई।

श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि त्रयोदशी तिथि व बुधवार के संयोग पर भस्मआरती में बाबा महाकाल का श्रृंगार किया गया, जिसमें बाबा महाकाल का खुला तीसरा नेत्र, मस्तक पर त्रिपुंड, सर्प और चंद्र से भव्य श्रृंगार किया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर मे जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

भक्त ने दान किया रजत मुकुट

श्री महाकालेश्वर मंदिर में कोलकाता से पधारे भक्त मुनेश्वर झा द्वारा भगवान श्री महाकालेश्वर को 1 नग चांदी का मुकुट भेट किया। जिनका कुल वजन एक हजार 261 ग्राम है। जिसे श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा प्राप्त पर दानदाता का सम्मान किया जाकर विधिवत रसीद प्रदान की गई। यह जानकारी मंदिर प्रबंध समिति के कोठार शाखा के कोठारी मनीष पांचाल द्वारा दी गई।

पीएम श्री एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मनाया प्रवेशोत्सव

माही की गूंज, आम्बुआ।

नवीन शिक्षण सत्र के शुभारंभ के अवसर पर पीएम श्री एकीकृत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आम्बुआ में भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास माहेश्वरी की अध्यक्षता तथा ग्राम पंचायत आम्बुआ के उपसरपंच थानसिंह भयड़िया के विशेष आतिथ्य में शाला आने वाले विद्यार्थियों का तिलक लगाकर हार फूल से स्वागत कर किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षाधिकारी नरेंद्र भारद्वाज बीआरसी धर्मेंद्र कटारा सहित पालक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को निशुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण किया गया। संस्था प्राचार्य द्वारा शिक्षकों को हैंडबुक प्रदान की गई। प्राचार्य द्वारा संबोधन के दौरान बच्चों को नियमित स्कूल आने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं का सहयोग रहा।

खाद के लिए किसानों का संघर्ष, जमकर चले लात-घूंसे

गुना। मध्य प्रदेश के गुना में खाद की किल्लत बड़ा रूप लेने लगी है। खाद लेने के लिए किसान घंटो लंबी-लंबी कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं। नानाखेड़ी कृषि उपज मंडी में खाद लेने पहुंचे किसानों के बीच हाथापाई हो गई। यूरिया के लिए घंटों लाइन में लगे हुए किसानों ने अपना आपा खो दिया। देखते ही देखते किसान एक दूसरे से भिड़ गए और विवाद में महिलाएं भी कूद पड़ीं।

गुना में डीएपी यूरिया कि पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो पाने से किसानों में रोष है। एक किसान को महज 5 बोरी यूरिया दिया जा रहा है। यूरिया पर्याप्त न होने के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मज़बूरन किसानों को ऊंचे दामों पर यूरिया खरीदना पड़ रहा है। खाद की कालाबाजारी करने वालों के वारे न्यारे हो रहे हैं। डीएपी यूरिया की दर एक हजार 340 रुपए तय की गई है। ब्लैक मार्केटिंग में कीमत बढ़ाकर 1700-2000 रुपए तक दिया जा रहा है। किसानों में कृषि उपसंचालक अशोक उपाध्याय के खिलाफ नाराजगी है। खाद के लिए किसानों के बीच लड़ाई झगड़े हो रहे हैं। कृषि विभाग के पास खाद की किल्लत को दूर करने का कोई जवाब नहीं है।

गुना के कलेक्टर सतेन्द्र सिंह ने बताया कि, जिले में खाद की पर्याप्त व्यवस्था है। खाद की रेक भी आ रही है। डीएपी के स्थान पर किसानों को एनपीके का भी उपयोग करना चाहिए।

नदी में तैरती कार से निकले दो-दो कंकाल, देवर-भाभी के इश्क का खौफनाक अंजाम

मुरैना।

मध्य प्रदेश के मुरैना में एक नदी में तैरती हुई कार दिखी। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कार को नदी से बाहर निकाला गया। उसमें से दो-दो कंकाल निकले। जांच में जो सामने आया उसे जानकर हर कोई हैरान हो गया। दरअसल, कार में मिले कंकाल देवर और भाभी के थे। दोनों में प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस घटना से पांच महीने पहले दोनों घर छोड़कर कहीं गायब हो गए थे। दोनों के इश्क का अंजाम खौफनाक रहा।

नदी में तैरती दिखी कार

कार में मौजूद कंकाल की पहचान छत्तेपुरा निवासी नीरज जाटव और उसकी भाभी मिथिलेश के रूप में हुई है। गोपी गांव के पास कुंवारी नदी से मिली दोनों की बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि मिथिलेश नीरज की चचेरी भाभी थी।

प्यार में दोनों घर से भागे

बताया जा रहा है कि, नीरज और मिथलेश एक दूसरे से प्रेम करते थे। पांच महीने पहले दोनों घर से भाग गए थे। मृतक महिला मिथिलेश के लापता होने की रिपोर्ट उसके घर वालों ने फरवरी में दर्ज कराई थी। वहीं मृतक नीरज गायब होने के कुछ दिनों पहले ही सेकंड हैंड कार खरीद कर लाया था और उसे भाड़े पर चलाया करता था। फरवरी से ही नीरज और उसकी गाड़ी का कोई अता-पता नहीं था।

हत्या या सुसाइड...?

कार में मिले नर कंकाल की स्थिति देखकर पुलिस प्रेम प्रसंग के चलते दोनों की हत्या की आशंका जता रही है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र गौर ने बताया है कि दोनों शव सड़े हुए हालत में हैं। कार पांच महीने से नदी में थी। जब नदी में पानी कम हुआ तब यह कार दिखाई दी है। पानी ज्यादा होने से कार डूबी हुई थी। पुलिस ने बताया कि नीरज और मिथिलेश चचेरे देवर-भाभी थे। दोनों के घर वालों से पूछताछ के बाद पता चला कि उनमें प्रेम प्रसंग था। छह फरवरी को दोनों घर छोड़कर भाग गए थे।

मृतक मिथिलेश के पति मुकेश सखबार ने बताया कि, छह फरवरी को मिथिलेश बाजार जाने की बात कह कर घर से गई थी। वहीं से नीरज उसे कार में बैठाकर कहीं ले गया। नीरज उसके चाचा का बेटा है। लापता होने के छह-सात दिन तक चाचा व अन्य लोग कहते रहे कि वे एक-दो दिन में आ जाएंगे। इसलिए 14 फरवरी को गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इन दोनों के आपस में संबंध थे। पुलिस ने दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बता दें कि कार नदी में कैसे गिरी, यह हत्या है या सुसाइड, इन सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

आउटसोर्स सफाई कर्मी की सेवा समाप्त, कर्मचारी ने लगाए डॉक्टरों पर रिश्वत के आरोप

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुरिया पर आउटसोर्स के माध्यम से मनीष गामड़ की नियुक्ति सफाई कर्मी के पद पर मेडिकल ऑफिसर रायपुरिया के द्वारा की गई थी। मगर काम के प्रति लापरवाही के आरोप लगाकर उसे हटा दिया गया वहीं कर्मचारियों द्वारा डॉक्टर के रिश्वत मांगने के आरोप लगाए गए हैं और कलेक्टर महोदय को लिखित में प्रतिवेदन पेश किया गया।

क्या है पूरा मामला

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पदस्थ सफाई कर्मी मनीष पिता प्रताप गामड़ निवासी बनी की नियुक्ति प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रायपुरिया में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर एन.एस. डाबी के द्वारा दिनांक 20 जून 2023 को की गई और वर्तमान में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर भूरिया के द्वारा सेवा समाप्ति दिनांक 12 जून 2023 को कर दी गई।

ऐसा क्या हुआ कि, मनीष की सेवा समाप्त कर दी गई जबकि मनीष के द्वारा करीब 1 वर्ष कार्य पूर्ण होने जा रहा है इस दौरान मनीष के द्वारा कार्य के प्रति लापरवाही नहीं की गई और अचानक वर्तमान में पदस्थ डॉक्टर द्वारा मनीष को कार्य में लापरवाही का कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर दिया गया। मगर मनीष गामड़ सीधा-साधा युवा होने के नाते कुछ समझ नहीं पाया और वर्तमान में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर के सामने गिड़गिड़ाने लगा और कहने लगा कि, सर मेरे द्वारा कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की गई है मगर आपको मेरे कार्य में लापरवाही लगती है तो मैं आगे से अपने कार्य में लापरवाही ना करूंगा और आगे शिकायत का मौका नहीं दूंगा। मगर मेडिकल ऑफिसर ने मनीष गामड़ को कहा ठीक है और जो अपना काम करो।

डॉक्टर द्वारा मनीष गामड़ को लिखित में जवाब देने का नोटिस दिया था जिसका जावक क्रमांक 14/2024 है मगर मनीष गामड़ द्वारा नोटिस का जवाब लिखित में ना देते हुए डॉक्टर महोदय के सामने पेश होकर दिया। मगर सोचने की बात यह है कि, मेडिकल ऑफिसर भूरिया द्वारा इसे क्यों माफ किया, डॉक्टर द्वारा लिखित में जवाब देने का नही कहना कई सवालों को जन्म देता है...? वही आउटसोर्स कर्मचारी मनीष गामड़ द्वारा बताया गया कि, डॉक्टर प्रताप भूरिया व सुरेश कटारा के द्वारा मुझसे 40 हजार की रिश्वत मांगी गई का आरोप लगाकर प्रतिवेदन कलेक्टर महोदय को दिया गया मगर सोचने वाली बात यह है कि, इस पूरे घटनाक्रम में मनीष का कार्य के प्रति लापरवाही या डॉक्टर के द्वारा रिश्वत मांगी गई थी और वर्तमान में पदस्थ डॉक्टर के द्वारा उसे लिखित में कारण का जवाब देने को क्यों नहीं कहा या मेडिकल ऑफिसर के द्वारा पूरा प्लानबद्ध तरीके से मनीष गामड़ को फसाने की साजिश रचित गई अगर कलेक्टर द्वारा हर बिंदु पर जांच की जावे तो सत्यता सामने आ सकती है ?

शराब माफिया के गुर्गों द्वारा अपने ही साथी की हत्या मामले में अजीवन कारावास

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में माफियाओं का आतंक कई वर्षों से बना हुआ है इन माफियाओं की न कोई जात होती है और न ही कोई ईमान। इन माफियाओं का एक ही ईमान है सिर्फ व्यापार में लाभ ही लाभ हो और जो इनके अवैध कारोबार व अवैध कारनामों में कोई हस्तक्षेप करें तो उसे हर तरीके से माफिया अपने आतंक का परिचय देने में पीछे नहीं हटते है, यहां तक की हत्या करने तक भी।

बता दे कि, 2018-19 में अलकेश बाकलिया व रमेश राय ग्रुप का झाबुआ-अलीराजपुर सहित धार जिले की कुछ शराब दुकान लेने के साथ पार्टनरशिप के साथ सेंडिकेट कर वेध शराब दुकान की आड़ में अवैध शराब का कारोबार हमेशा की तरह किया जा रहा था। राय ग्रुप अलीराजपुर में मैनेजमेंट देख रहा था तो अलकेश बाकलिया का ग्रुप झाबुआ जिले में मैनेजमेंट देख रहा था। इसी कड़ी में रायपुरिया क्षेत्र में भी मैनेजर के मुख्य पद पर अलकेश बाकलिया ग्रुप का व्यक्ति हनुमतसिंह उर्फ उमेश सिंह को बनाए रखा था। वही मैनेजर के अंडर में रमेश राय के ग्रुप के व्यक्ति संजीत सिंह पिता महेश सिंह चौहान निवासी कुर्मीपुर जिला हुसैनाबाद झारखंड एवं उसके अन्य साथी भी हनुमंत के अंडर में ही कार्य करते थे। वही विवाद का कारण यह रहा था कि, संजीत सिंह स्वयं क्षेत्र में बाहरी क्षेत्र की शराब लाकर क्षेत्र में ऐंजेंटो को वितरित कर कंपनी को सेंध लग रहा था। उक्त जानकारी अलकेश बाकलिया के मैनेजर हनुमंतसिंह उर्फ उमेश सिंह को पता चल गई थी।

वही 8-9 नवंबर 2018 की रात में रायपुरिया के बीच बाजार में शराब कंपनी के ऑफिस में मांस मदिरा का सेवन अलकेश बाकलिया ग्रुप व रमेश राय ग्रुप के सभी साथियों ने साथ में किया था। वही खाते समय हनुमंत सिंह ने कह डाला था कि, संजीत सिंह द्वारा क्षेत्र में बाहरी शराब लाकर दी जा रही है यह बात सेठ लोगों को बताएंगे। इसी बात पर खाते समय हाथापाई दोनों ग्रुपों के बीच में होने लगी थी। तो बीच बचाव कर हाथापाई को रोक दिया था और हनुमंतसिंह जाकर सो गया था लेकिन सजीतसिंह एवं साथियों ने मिलकर धारदार हथियार से हनुमंत की हत्या कर दी और बोलेरो जीप क्रमांक एमपी 45 बीबी 1431 में बिस्तर में लपेटकर शव को ठिकाने लगाने के लिए दो साथियों के साथ रवाना कर दिया। वहीं बाकी साथी अपना शातिराना दिमाग लगाकर ऐसे अनजान बनकर ऑफिस में रहे की कुछ हुआ ही नहीं। लेकिन हनुमंत के भाई रमेश पिता नागेईश्वर द्वारा 9 नवंबर को दोपहर 3 बजे रायपुरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने के बाद शव छापरापाड़ा (जामली) में धना भूरिया के खेत से बरामद हुआ। जिसकी पहचान हनुमंत सिंह के रूप में की गई। उक्त शव को खेत में फेक जीप इंदौर-अहमदाबाद हाईवे पर टोल के आगे छोड़कर दोनों आरोपी फरार हो गए थे।

वहीं सीसीटीवी कैमरे की शिनाख्त के बाद पूरा मामला साफ हुआ कि, हनुमंत की हत्या शराब ऑफिस में ही की गई थी और मामले में पुलिस ने 10 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया था। जिसमें संजीतसिंह पिता महेश चौहान, राम सिंह पिता महेश राजपूत, अमित सिंह पिता प्रताप सिंह राजपूत, मनीष पिता धनंजय राजपूत, देव उर्फ बनन पिता राधेश्याम भारती, जितेंद्र पिता राम सिंह राजपूत, शैलेंद्र पिता राजवीर सिंह राजपूत, वीरेंद्र पिता राम सिंह राजपूत, चंदन सिंह पिता शैलेंद्र राजपूत, के विरुद्ध हत्या एवं हत्या के साक्ष्य को मिटाने का अपराध दर्ज किया था।

मामले में पेटलावद कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश मनोहर पाटीदार ने 14 जून को आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

किसी शराब माफिया के गुर्गो के विरुद्ध जिले में यह पहला ही मामला होगा जिसमें हत्या के अंजाम से लेकर आजीवन कारावास की सजा हुई।

सिंडिकेट तोड़ने का किया था ढकोसला

राय ग्रुप के गुर्गो ने जब अलकेश बाकलिया के व्यक्ति रायपुरिया में कंपनी के मैनेजर हनुमंतसिह की दर्दनाक हत्या से जिले में सनसनी सी फैल गई थी। वहीं अलकेश बाकलिया ग्रुप के व्यक्तियों में भी रमेश राय ग्रुप के व्यक्तियों के बीच आक्रोश उत्पन्न हो गया था। उक्त आक्रोश व जिले में फेली सनसनी को शांत करने के लिए अलकेश बाकलिया ने त्वरित ही रमेश राय ग्रुप से पार्टनरशिप हटाकर सेंडिकेट को खत्म कर रमेश राय ग्रुप के सभी व्यक्तियों को शराब दुकान या शराब ऑफिस पर काम कर रहे थे को रवाना कर दिया था। लेकिन जानकारी रखने वाले यही बताते हैं कि, शराब माफिया सिर्फ अपने व्यापार एवं अपने मुनाफे को ही महत्व देते हैं, जिनका कोई जमीर धरातल पर नहीं होता है। नतीजन यह बताया जाता है पुनः एक वर्ष बाद ही दोनों ग्रुपों में संधि होकर पार्टनरशिप का धंधा किया गया है।

बीच बाजार हुई शराब मैनेजर की हत्या

पुलिसया कार्रवाई पर लगा प्रश्नचिन्ह

माही की गूंज EXCLUSIVE शराब कंपनी में अपनी प्रतिष्ठा व चोरी को छुपाए रखने के लिए कर दी हत्या

यह है शराब माफिया,ओ का खोल

15 नवंबर 2018 को हनुमंतसिह की हत्या का पुरा खुलासा माही की गूंज ने किया था।

बार-बार मारपीट के बाद युवक ने किया सुसाइड, हुई मौत

माही की गूंज, खवासा।

खवासा चौकी के अंतर्गत ग्राम पंचायत नरसिंहपाड़ा के ग्राम तेजपुरा के निवासी ने सुसाइड किया था, जिसके बाद सोमवार रात उसकी मौत हो गई। जानकारी अनुसार सामने आया कि, सुनील पिता रंगू जाती मुणिया (35) से किसी बात को लेकर इन्हीं के परिवार के चचेरे भाई राजू नेता जाती मुणिया एवं परिवार के साथ राजु के ससुराल पक्ष के परिवार ने सुनील मुणिया के साथ पूर्व में भी मारपीट की गई। वहीं शनिवार को सुनील खवासा में हमेशा की तरह केरी, सब्जी की दुकान लगाने आया था और शाम को दुकान बंद कर अपनी पत्नी रितु बाई के साथ घर जा रहा था कि, घर से कुछ ही दूरी पर राजू नेता मुणिया परिवार व उसके ससुराल पक्ष वाले ने पूर्व की तरह शनिवार शाम को भी सुनील के साथ हाथापाई कर पीटा जिसके बाद बार-बार मार खाने से बचने के लिए सुनील अपने घर में घुसा और घर में रखी कीटनाशक दवाई पी ली।

जिसके बाद परिजन सुनील को लेकर पुलिस चौकी खवासा पहुंचे और घटना की रिपोर्ट लिखवाना चाही लेकिन पुलिस ने परिजनों को समझाईस दी की सर्वप्रथम मामला दर्ज करने से ज्यादा सुनील की जान बचाना ज्यादा महत्व रखता है। पुलिस के समझाने के बाद बिना मामला दर्ज करवाये सुनील को परिजन पेटलावद अस्पताल ले गए, लेकिन वहां डॉक्टर नहीं होने के चलते सुनील को सारंगी के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ले जाकर उपचार किया गया, लेकिन उपचार के दौरान सुनील की मौत सोमवार रात में हो गई। परिजन शव को लेकर खवासा चौकी पर पहुंचे और पहले विपक्षी के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज करने के बाद पीएम करवाने की बात पर मृतक के परिजन अड़े रहे। वहीं पुलिस का कहना था कि, पीएम की रिपोर्ट आने के बाद ही उक्त मामले में एफआईआर दर्ज की जा सकती है इसी बीच पुलिस व परिजन के बीच कहां सुनी चलती रही जिसके बाद परिजन माही की गूंज कार्यालय पहुंचे और मृतक सुनील के परिजनों ने अपनी पीड़ा प्रतिनिधि को बताई।

प्रतिनिधि मामले की गंभीरता को देख पुलिस से मामले की वस्तु जानकारी लेने हेतु पुलिस चौकी पहुंचे जहां पुलिस चौकी प्रभारी हीरालाल मालीवाड़ ने मृतक के परिजनों के सामने प्रतिनिधि को बताया कि, सुनील के साथ मारपीट हुई उसके बाद उसने सुसाइड किया है और मारपीट से परेशान होकर सुनील ने कीटनाशक पी और उसकी मौत हो गई। इससे हम इनकार नहीं करते हैं लेकिन उक्त मामले में मृतक का पोस्टमार्टम होने के बाद ही, डॉक्टरी रिपोर्ट आने के बाद ही धारा 306 में मामला दर्ज परिजनों के बयानों के आधार पर किया जा सकता है, इसलिए पहले पोस्टमार्टम करवाना होगा, उसके बाद परिजनों के बयानों व पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद धारा 306 में मामला दर्ज किया जा सकता है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम किया है, चौकी प्रभारी ने बताया है।

जिसके बाद परिजनो ने पुलिस की समझाईस के बाद संतुष्ट होकर मृतक सुनील का पोस्टमार्टम करवाया। माही की गूंज प्रतिनिधि को मृतक के पिता रंगु एवं भाई ने बताया कि, राजू एवं परिवार वालों के साथ ससुराल वालों ने शनिवार की तरह पूर्व में भी सुनील को मारा था और विवाद का कारण जाना तो बताया राजू एवं परिवार कभी औरत को माथे पाड़ रहे थे, तो कभी कुछ और इल्जाम लगाकर सुनील के साथ मारपीट करते रहे। शनिवार को भी राजू एवं परिवार के साथ उसके ससुराल पक्ष के व्यक्तियों ने सुनील के साथ मारपीट की, बार-बार की मारपीट से परेशान होकर सुनील ने कीटनाशक दवा पीकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

वास्तविक पूरा मामला क्या है...? यह तो पुलिस की जांच व मामला दर्ज करने के बाद ही पता चलेगा।

सीमांकन को दरकिनार कर अतिक्रमण वाली स्थिति में ही करवा दी पिचिंग

तालाब की सीमाओं में हो गया परिवर्तन, नगरपालिका का भी अतिक्रमण

मार्च में हुई जांच, जून में जारी अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस

माही की गूंज, झाबुआ। मुज्जमील मंसुरी

शहर के तालाबों के सौंदर्यीकरण की कहानी वर्षों से खिंचती चली आ रही है और अब भी यह पूरी होती दिखाई नहीं दे रही है। 68 बीघा का यह तालाब अब 62 बीघा का ही रह गया है। तालाब सौंदर्यीकरण के नाम पर लगातार भ्रष्टाचार उजागर हुए है और कलेक्टर से लेकर कई नीचले अधिकारी इसमें दोषी भी पाए गए है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर अब तक कुछ भी पुख्ता कदम देखने को नहीं मिले है। छोटे तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य में हुए भ्रष्टाचार के बाद अब बहादुर सागर तालाब की भी स्थितियां कुछ ऐसी ही दिखाई पड़ रही है।

सीमांकन के आवेदन के बाद प्रशासनिक अमले ने मार्च में बहादुर सागर तालाब का सीमांकन किया था, लेकिन उसके बाद प्रशासन किसी भी एकशन मोड में नहीं दिखाई दिया। कई माह गुजरने के बाद अब जाकर अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस जारी किए गए है। अब विडम्बना यह है कि, नगरपालिका और ठेकेदार ने तालाब से किसी प्रकार का अतिक्रमण हटाने के बजाय कब्जे वाली स्थिति में ही पिचिंग करवा दी है। बहादुर सागर तालाब में अमृत योजना 2 के तहत 1 करोड़ 6 लाख से जैव विविधता संरक्षण का काम चल रहा है। यह काम फरवरी माह से ही तालाब का पानी खाली करने के साथ शुरू हो गया था, लेकिन इसका सीमांकन मार्च माह में हुआ और सीमांकन में अतिक्रमण होना भी पाया गया। बावजूद इसके प्रशासन को अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस पहुंचाने में कई माह का समय लग गया। जिसका नतीजा यह हुआ कि, फरवरी माह से शुरू हुए इस कार्य में काफी प्रगति हो गई और नगरपालिका व ठेकेदार ने कब्जे वाली जगह को छुड़वाने या खाली करवाने के बजाय यथा स्थिति में ही पिचिंग का कार्य कर दिया। अब प्रशासन ने पिछले दिनों अतिक्रमणकर्ताओं को नोटिस जारी किए है।

प्रशासन द्वारा जारी इन नोटिसों की स्थिति और नगरपालिका व ठेकेदार द्वारा किए जा रहे कार्य को देखते हुए तो यही लगता है कि, प्रशासन का अतिक्रमणकर्ताओं को दिया यह नोटिस महज झूठ का पुलिंदा है। क्योंकि बहादुर सागर तालाब में चल रहा कार्य लगातार प्रगति पर है और अब अगर अतिक्रमणकर्ताओं के कब्जे हटाए गए तो निर्माण किया गया कुछ हिस्सा भी प्रशासन को पुनः तोड़कर बनवाना होगा। हालांकि इस बात में संशय है कि, प्रशासन तालाब को अतिक्रमण से मुक्त करा सके। क्योंकि अधिकतर कार्य तो लगभग पूर्ण हो चुका है और दूसरी बात यह कि, मानसून भी लगभग सर पर खड़ा है इस स्थिति में नगरपालिका का काम व प्रशासन के नोटिस बारिश के बाद खटाई में पड़ जाएंगे। अगर शुरूआती दौर में ही अच्छी बारिश होती है तो तालाब में पानी भर जाएगा और तालाब सौंदर्यीकरण की यह कहानी अधूरी ही छोड़ दी जाएगी।

प्रशासन ने जिन संस्थाओं को अतिक्रमण के लिए नोटिस जारी किया है, उसमें मंदिर मस्जिद सभी शामिल है। इसके अलावा एक नोटिस नगरपालिका को भी जारी किया गया है। क्योंकि कुछ दशकों पहले नगरपालिका ने भी बहादुर सागर तालाब पर अतिक्रमण कर मोगली गार्डन बनाया था। उस समय भी तालाब का गहरी करण कार्य चल रहा था और इसी तालाब की मिट्टी से नगरपालिका ने छतरी घाट के करीब तालाब में भराव करवाकर मोगली मार्डन का निर्माण किया था। अब तहसील कार्यालय से हुए सीमांकन के बाद जिन लोगों को नोटिस जारी किए गए है उनमें खुद नगरपालिका भी अतिक्रमणकर्ताओं में शामिल है। इसके अलावा ततसमय जब तालाब का गहरीकरण किया गया था तो तालाब के बीच में ही मिट्टी का एक टीला बनाकर एक टापू बनाया गया था। हालांकि इसके पीछे तत्कालीन नगरपालिका की मशा नगरवासियों के लिए पर्यटन स्थल बनाने की थी। मगर यह योजना बुरी तरह से फैल हो गई। नतीजा यह सामने आया की तालाब के बीच बेवजह का एक टापू बनाकर तालाब की जल संग्रहण क्षमता बुरी तरह से प्रभावित की गई। अब नगरपालिका अध्यक्ष का इसको लेकर एक नया बयान सामने आया है कि, तालाब के बीच बने इस टापू को 70 प्रतिशत तक छोटा किया जाएगा। इसके पीछे की वजह तो साफ नहीं है लेकिन नगरपालिका अध्यक्ष का कहना है कि, इससे तालाब की जल संग्रहण क्षमता बढ़ेगी। अगर ऐसा ही है तो फिर इस टापू को पूरी तरह से ही क्यों नहीं हटा दिया जाता...? क्योंकि इस टापू का जो 30 प्रतिशत हिस्सा बचेगा वह भी शायद बेवजह ही बचा रहेगा, उसका किसी प्रकार का कोई उपयोग नहीं हो सकेगा।

नगरपालिका अध्यक्ष के इस वक्तव्य के बाद एक सवाल यह भी उठता है कि, आखिर यह सब होगा कब...? क्योंकि मानसून तो लगभग आ ही चुका है और पहले दौर में अगर अच्छी बारिश हुई तो तालाब में पानी भर जाएगा और जिस टापू का 70 प्रतिशत हिस्सा नगरपालिका अध्यक्ष हटाने की बात कर रही है वह अधर में रह जाएगा। मानसून आने के बाद अधर में तो अतिक्रमण हटाने की मुहिम भी चली जाएगी क्योंकि तालाब में पानी भर जाने के बाद तो यह अतिक्रमण भी हटाया नहीं जा सकेगा और इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि, तालाब भर जाने के बाद अब अगले बरस अधूरे कामों को पूरा करने के लिए फिर से तालाब को खाली किया जाएगा। हालांकि पिछले दो वर्षों से बहादुर सागर तालाब का पानी सौंदर्यीकरण के नाम पर व्यर्थ ही बहाया जा रहा है। शायद नगरपालिका को बहादुर सागर तालाब में जमा होने वाले पानी की कीमत का अंदाजा नहीं है। पिछले दिनों रंगपुरा बैराज का पानी कुछ शरारती तत्वों ने खाली कर दिया था जिससे जल संसाधन विभाग को करोड़ों रूपए का नुकसान हो गया था। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि, बहादुर सागर तालाब में रंगपुरा बैराज के मुकाबले लगभग 7-8 गुना पानी भरता है, जिसकी कीमत का अगर अंदाजा लगाया जाए तो वह अरबों रूपयों में पहुंच जाएगी। तो इस बात में भी संशय है कि अगले वर्ष फिर से बहादुर सागर तालाब को अधूरे काम पूरा करने के लिए फिर से खाली किया जाएगा।

हालांकि बहादुर सागर तालाब में चल रहे निर्माण कार्य में अभी बहुत सा काम बाकी है और इस कार्य के पूरे होने पर भी कई सवाल उठ रहे है, तो फिर नगरपालिका अध्यक्ष की तालाब के बीच से टापू हटाने की रणनीति कहां तक और कितनी सार्थक होगी यह सवालों के घेरे में है। क्योंकि नगर की जनता यह मान चुकी है कि, शहर के तालाब नगरपालिका के लिए दुधारू गाय बन चुके है। तालाब सौंदर्यीकरण के नाम पर जिस तरह से नगरपालिका के पूर्व अधिकारियों के साथ कलेक्टर तक के नाम भ्रष्टाचार की जाचं में सामने आ चुके है। तो यह भी नहीं कहा जा सकता कि वर्तमान में यह स्थिति नहीं दोहराई जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422